तापमान
अधिकतम 13 .4 डिग्री
न्यूनतम 5 .3 डिग्री

हरिभूमि
# सोनीपत भूमि
रोहतक, सोमवार 5 जनवरी 2026

11 स्वस्थ रहने के लिए अपनाएं योग : लक्ष्मीनारायण

12 भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने ज्वाइन करवाई पार्टी

## खबर संक्षेप

### लाइसेंसी पिस्टल से चली गोली, युवक घायल

**गन्नौर।** थाना गन्नौर पुलिस ने गांव गढ़ी झंझारा में लाइसेंसी पिस्टल से लापरवाही से गोली चलने से युवक के घायल होने के मामले में आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित शमशेर निवासी गांव भुर्री का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार 12 दिसंबर 2025 को सतपाल निवासी भोड़वाल माजरी गोली लगने से घायल हो गया था। सतपाल ने थाना गन्नौर में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह दिल्ली में दूध सप्लाई का काम करता है और शमशेर, संजय व सुरेश से उसकी दोस्ती है। 12 दिसंबर को वह संजय व सुरेश के साथ गांव गढ़ी झंझारा में एक परिचित की मां की रस्म सत्रहवीं में गया था। वहां शमशेर कार के डैशबोर्ड पर रखी अपनी पिस्टल उठाने लगा, तभी अचानक गोली चल गई। गोली कार के शीशे से टकराकर उसकी छाती में जा लगी। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपित शमशेर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लाइसेंसी पिस्टल व चार गोली बरामद की।

### अवैध शराब बेचने के आरोप में युवक पकड़ा

**गोहाना।** क्राइम यूनिट गोहाना की पुलिस ने गांव खानपुर कलां में एक गैस एजेंसी के निकट से युवक को अवैध शराब की बिक्री करते हुए काबू किया। उससे 12 पेटी देशी अवैध शराब बरामद की। सहायक उप निरीक्षक विकास पुलिस टीम के साथ गश्त कर रहे थे। उन्हें सूचना मिली कि कि गांव खानपुर कलां के निकट गैस एजेंसी के पास एक युवक अवैध शराब की बिक्री कर रहा है और उसने शराब खेत में बने कमरे में रखी हुई है। आरोपी की पहचान गांव खानपुर कलां के बिरजू के रूप में हुई।

### सर्विस सेंटर से कार चोरी करने का आरोपी पकड़ा

**सोनीपत।** क्राइम यूनिट सेक्टर-3 कुंडली पुलिस टीम ने सर्विस सेंटर से कार चोरी करने की घटना में संलिप्त एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित अमित उर्फ मोनू निवासी सेक्टर-23 सोनीपत बताया गया है। शिकायत 24 दिसंबर 2025 को सत्येंद्र पुत्र जोगिंदर सिंह निवासी सेक्टर-19 सोनीपत द्वारा दी गई थी, जो मालवा ऑटो सेंस प्राइवेट लिमिटेड कुंडली में सर्विस हेड के पद पर कार्यरत हैं। शिकायत के अनुसार 29 नवंबर 2025 को एक्सीडेंट मरम्मत के लिए लाई गई कार को सर्विस पूरी होने के बाद कंपनी परिसर के अंदर पार्किंग लाइन में खड़ा किया गया था। 22 दिसंबर 2025 को एक अज्ञात व्यक्ति कार में बैठकर उसे स्टार्ट कर ले गया। शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया था।

# पत्नी और सास ने रची थी आस मोहम्मद की हत्या की साजिश, दोनों गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

■ मुठभेड़ के बाद पकड़े गए साजिद के भाई समीर के साथ थे आस मोहम्मद की पत्नी शबाना के अवैध संबंध

बहालगढ़ के पास हुए आस मोहम्मद उर्फ आशु हत्याकांड की परतें खुलने लगी हैं। पता चला है कि इस हत्याकांड के पीछे की असल वजह आस मोहम्मद की पत्नी के अवैध संबंध थे। जिसमें रोड़ा बनने पर आस मोहम्मद को रास्ते से हटाने का प्लान बनाया गया। साजिश रचने आरोप में पत्नी और सास को पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि आस मोहम्मद को शराब पिलाने के बहाने बुलाया गया और फिर उनकी बेरहमी से हत्या कर शव को जला दिया गया। यह जघन्य वारदात बहालगढ़ क्षेत्र में सरोवर पोर्टिको होटल के समीप स्थित धार्मिक स्थल के पास एक पेड़ के नीचे

अंजाम दी गई।

कुंडली क्राइम यूनिट ने पहली जनवरी को मुरथल क्षेत्र में मुठभेड़ के बाद आस मोहम्मद उर्फ आशू हत्याकांड का खुलासा किया था। मुठभेड़ के दौरान ईदगाह कॉलोनी निवासी समीर के पैर में गोली लगी थी और उसका भाई साजिद पकड़ा था। दोनों पर 12 सितंबर को अपने रिश्तेदार मूलरूप से उत्तर प्रदेश के जिला बागपत के गांव निवाड़ा हाल बहालगढ़ निवासी आस मोहम्मद की हत्या कर शव को जलाने का आरोप था। दोनों ने वारदात कबूल की थी। आरोपितों की गिरफ्तारी से पहले आस मोहम्मद के शव की पहचान नहीं हो सकी थी और उनका हिंदू संस्था ने अंतिम संस्कार कर दिया था। पुलिस ने साजिद को प्रोडक्शन वारंट पर लेकर तीन दिन के रिमांड पर लिया है। पूछताछ में इस जघन्य वारदात की साजिश में मृतक आशु की पत्नी व आरोपित साजिद की साली शबाना और उसकी मां हलीमा भी शामिल थी। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया था।

### पति से छुटकारा पाना चाहती थी

साजिद ने बताया कि आस मोहम्मद की पत्नी शबाना उसकी पत्नी की बहन है। शबाना व उसके भाई समीर के लंबे समय से अवैध संबंध बन गए थे। जिसका पता आस मोहम्मद को भी लग गया था। उसकी साली उससे छुटकारा पाना चाहती थी। उसकी सास हलीमा भी चाहती थी कि शबाना उसके भाई समीर के साथ ही रहे।

ऐसे में आस मोहम्मद की हत्या का षड्यंत्र रचा गया। मामले में मुख्य आरोपी हिस्ट्रीशीटर समीर अभी अस्पताल में भर्ती है। उसे रिमांड पर लेकर अन्य तथ्य जुटाए जाएंगे।

### शराब पिलाने के बाद हत्या शव पेट्रोल डालकर जलाया

साजिद ने बताया है कि आस मोहम्मद को शराब पीने के बहाने बहालगढ़ में सरोवर पोर्टिको होटल के निकट धार्मिक स्थल के पास बुलाया था। वहां शराब पिलाने के बाद समीर ने पेचकस से हमला कर वारदात को अंजाम दिया। समीर पहले से ही पेट्रोल साथ लेकर मौके पर पहुंचा था। सबूत मिटाने के इरादे से शव पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी गई, ताकि पहचान और वारदात के सुराग न मिल सकें।

## शिक्षा निदेशालय हुआ सख्त, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी को दिए निर्देश

# मिड-डे मील का डाटा एमआईएस पोर्टल पर अपलोड करने में कतरा रहे विद्यालय

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

- गन्नौर ब्लॉक के राजकीय विद्यालयों की ओर से बरती जा रही लापरवाही
- निदेशालय के निर्देश पर जिला शिक्षा विभाग ने 5 जनवरी तक दिया समय

राजकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण मिड-डे मील योजना के तहत प्रतिदिन विभिन्न व्यंजन परोसे जाते हैं, लेकिन जिले के राजकीय विद्यालय प्रभारियों व मिड-डे-मील प्रभारियों ने नवंबर व दिसंबर 2025 का डाटा मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम (एमआईएस) पोर्टल पर दर्ज नहीं किया है। ऐसे में विद्यालय शिक्षा निदेशालय की ओर से सख्त नाराजगी जाहिर की गई है। एमआईएस पोर्टल पर हर माह 10 तारीख तक मिड-डे-मील का डाटा दर्ज करना अनिवार्य है, तभी निदेशालय की ओर से आगामी शेड्यूल जारी किया जाता है।

### जिला शिक्षा विभाग को पत्र जारी

निदेशालय की ओर से जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी, अन्य संबंधित विभागीय अधिकारियों व मिड-डे-मील प्रभारियों को पारदर्शिता व त्रुटिरहित एमआईएस पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश जारी किए हैं। इसके लिए

जिला शिक्षा विभाग को पत्र भी जारी किया गया है। उच्च अधिकारियों ने अनुसार सोनीपत जिले में पिछले साल का अब तक कुल 711 राजकीय विद्यालयों के मिड-डे-मील का डाटा एमआईएस पोर्टल पर दर्ज नहीं करवाया गया है। नवंबर माह की बात करें तो अब तक केवल 570 विद्यालय, वहीं दिसंबर में मात्र 231 विद्यालयों ने ही एमआईएस पोर्टल पर डाटा दर्ज करवाया है।

### निदेशालय नाराज

खासकर सोनीपत के गन्नौर ब्लॉक के राजकीय विद्यालय पोर्टल पर डाटा अपलोड करने में कतरा रहे हैं। जिस पर निदेशालय ने नाराजगी जाहिर की है। वहीं निदेशालय के निर्देश पर जिला शिक्षा विभाग ने ऐसे सभी विद्यालयों को 5 जनवरी तक पोर्टल पर डाटा अपलोड करने के निर्देश दिए हैं। लापरवाही बरतने वाले विद्यालय प्रभारियों व मिड-डे-मील प्रभारियों पर विभाग के अनुसार कार्यवाही अमल में लाई जा सकती है। शिक्षा निदेशालय की कार्रवाई से स्कूल प्रभारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

### 711 स्कूल : नवंबर व दिसंबर इतनों ने डाटा अपलोड किया

| ब्लॉक | नवंबर | दिसंबर | स्कूल |
|---|---|---|---|
| गन्नौर | 02 | 02 | 142 |
| गोहाना | 85 | 77 | 85 |
| कथूरा | 45 | 05 | 45 |
| खरखौदा | 86 | 07 | 86 |
| मुंडलाना | 68 | 00 | 68 |
| राई | 114 | 33 | 114 |
| सोनीपत | 170 | 47 | 171 |
| कुल | 570 | 231 | 711 |

### देरी करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी

सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को हर स्थिति में सभी राजकीय विद्यालय प्रभारियों व मिड-डे-मील प्रभारियों से एमआईएस पोर्टल पर नवंबर व दिसंबर माह का पूरा डाटा दर्ज करवाने के निर्देश दिए गए हैं। खासकर गन्नौर खंड शिक्षा अधिकारी को अपने क्षेत्र के सभी विद्यालयों का डाटा तय समय में दर्ज करवाने की हिदायत दी गई है। यदि किसी विद्यालय प्रभारी ने इस कार्य में लापरवाही बरती तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

-रचना बाना, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी, सोनीपत

# राजलू रेलवे अंडरपास के पास कारों की टक्कर, छह घायल

गन्नौर। हादसे में क्षतिग्रस्त कार।

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

गन्नौर-सोनीपत मार्ग पर राजलू रेलवे अंडरपास के पास दो कारों की भीषण टक्कर हो गई। हादसे में दोनों कारों में सवार सभी लोग घायल हो गए। घायलों को राहगीरों व स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना मिलने पर थाना बड़ी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार निगम अपनी मां व छोटे भाई कृष के साथ गांव गूमड़ से सोनीपत जा रहे थे। जैसे ही उनकी कार राजलू रेलवे अंडरपास से आगे निकली, पीछे से आ रही एक सेंट्रो कार ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी और चालक मौके से फरार हो गया। टक्कर के बाद निगम की कार सामने से आ रही एक तेज रफ्तार कार से जा टकराई। इस कार में राजलूगढ़ी निवासी अंकुश अपने भाई राहुल व भांजे के साथ गन्नौर जा रहा था। आमने-सामने की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि अंकुश की कार सड़क से उतरकर खेत में जा गिरी। अंकुश को कार का दरवाजा तोड़कर बाहर निकाला गया। हादसे में दोनों कारों में सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायल फिलहाल सोनीपत के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। अभी थाना बड़ी में किसी भी पक्ष की शिकायत नहीं मिली है।

## एटीएम बदलकर धोखाधड़ी करने का आरोपी पकड़ा

**सोनीपत।** राई थाना पुलिस टीम ने एटीएम कार्ड बदलकर धनराशि निकालने की घटना में संलिप्त तीसरे आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित संतोष निवासी उत्तरप्रदेश हाल बन्देपुर जिला सोनीपत बताया गया है। मामले से जुड़ी शिकायत 31 दिसंबर 2025 को आनंद कुमार निवासी उत्तरप्रदेश हाल असावरपुर सोनीपत द्वारा दर्ज कराई गई थी। शिकायत के अनुसार 29 दिसंबर 2025 को इंडियन बैंक एटीएम राई पर कुछ अज्ञात युवकों ने सहायता के बहाने उसका ध्यान भटकाया और एटीएम कार्ड बदल लिया। बाद में बैंक स्टेटमेंट निकालने पर खाते से लगभग 1.41 लाख रुपये निकाले जाने की पुष्टि हुई, जिसके बाद पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी। घटना का अभियोग राई थाना क्षेत्र में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के अंतर्गत दर्ज किया गया था। अनुसंधान के दौरान पुलिस ने पहले ही दो आरोपितों कृष्णा उर्फ किशन पुत्र जगत पाल तथा अमन पुत्र जसबीर दोनों निवासी प्रतापगढ़ उत्तरप्रदेश हाल मेट्रो विहार दिल्ली को गिरफ्तार कर लिया था। आगे की कार्रवाई में तीसरे आरोपित संतोष को भी हिरासत में लिया गया। अदालत ने उसे रिमांड पर भेजा है।

## युवती से 6.84 लाख रुपये की साइबर ठगी

सोनीपत। ऑनलाइन गेमिंग और टास्क के नाम पर साइबर ठगों ने युवती से 6.84 लाख रुपये की ठगी कर ली। सोनीपत की रहने वाली तनिषा ने साइबर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। फर्जी वेबसाइट और फर्जी बैंक खातों के माध्यम से उनसे रुपये ठगे गए। तनिशा ने प्राथमिकी दर्ज कराई है कि उन्होंने सोशल मीडिया पर एक रील देखी थी। रील में एक गेम खेलने का लिंक दिया गया था। लिंक पर क्लिक करने के बाद उन्हें शुरुआत में मात्र 100 रुपये से गेम खेलने के लिए कहा गया। शुरुआती दौर में उन्हें 270 रुपये वापस दिए गए। 500 रुपये डालने पर दो हजार रुपये दिए गए। जिससे उनका भरोसा जीत लिया गया।

### पैसे डबल करने का लालच दिया

पीड़िता ने बताया कि उनसे कहा गया कि 9 टास्क पूरे करने पर डबल रकम वापस मिल जाएगी। टास्क पूरे करते-करते अलग-अलग खातों में उनसे लगातार रुपये ट्रांसफर कराए गए। इस दौरान 1 दिसंबर से 17 दिसंबर 2025 के बीच कुल 18 अलग- ट्रांजेक्शन के जरिए उनकी जमा पूंजी निकलती चली गई। जब सभी टास्क पूरे हो गए और उन्होंने अपने पैसे वापस मांगे तो ठगों ने यह कहकर मना कर दिया कि आपका बैंक इतनी बड़ी रकम हैंडल नहीं कर सकता। इसके बाद उनसे 1.28 लाख रुपये और जमा कराने को कहा गया। बाद में आरोपियों ने संपर्क बंद कर दिया।

## मकान के गार्ड रूम से सामान चोरी करने के मामले में दो गिरफ्तार

**सोनीपत।** थाना सेक्टर-27 सोनीपत पुलिस ने मकान के गार्ड रूम से सामान चोरी करने की घटना में संलिप्त दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान अंकित निवासी गांव हरसाना जिला सोनीपत और आकाश निवासी लाल दरवाजा सोनीपत के रूप में हुई है। शिकायत 3 जनवरी 2026 को विष्णु पुत्र ओपी गुप्ता निवासी सेक्टर-14 सोनीपत द्वारा दर्ज कराई गई थी। शिकायत के अनुसार 2 जनवरी 2026 को उनके मकान के पार्किंग क्षेत्र में स्थित गार्ड रूम से गीजर, सिलाई मशीन, कपड़े, सूटकेस तथा अन्य सामान चोरी पाया गया।शिकायतकर्ता के अनुसार गार्ड रूम में पहले से रखा घरेलू सामान भी गायब मिला, जिसके बाद मामले की सूचना थाना सेक्टर-27 को दी गई। प्रकरण का अभियोग भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के अंतर्गत दर्ज किया गया। जांच के दौरान पुलिस टीम ने दोनों आरोपितों को हिरासत में लिया। आरोपित अंकित से चोरीशुदा गीजर और सिलाई मशीन बरामद की गई।

# अखिल भारतीय कुश्ती महाकुंभ में डीसीआरयूएसटी के सात पहलवान करेंगे विश्वविद्यालय का नाम रोशन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

- 5 से 9 जनवरी तक चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में होगा आयोजन, फ्री स्टाइल व ग्रीको रोमन दोनों वर्गों में भागीदारी
- खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की मजबूत आधारशिला : वीसी

दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीसीआरयूएसटी), मुरथल के 7 पहलवान अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय कुश्ती प्रतियोगिता में भाग लेकर जिले का नाम रोशन करेंगे। प्रतियोगिता का आयोजन 5 से 9 जनवरी तक चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ में किया जाएगा। प्रतियोगिता में देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के श्रेष्ठ पहलवान अपने कौशल व दमखम का प्रदर्शन करेंगे।

कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के इन पहलवानों का चयन उनके कठिन परिश्रम, अनुशासन व निरंतर अभ्यास का परिणाम है। प्रतियोगिता में डीसीआरयूएसटी के पहलवान फ्री स्टाइल व ग्रीको रोमन दोनों श्रेणियों में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह न केवल विश्वविद्यालय के खेल स्तर को दर्शाता है, बल्कि ग्रामीण पृष्ठभूमि से निकलकर खिलाड़ी आगे आ रहे है।

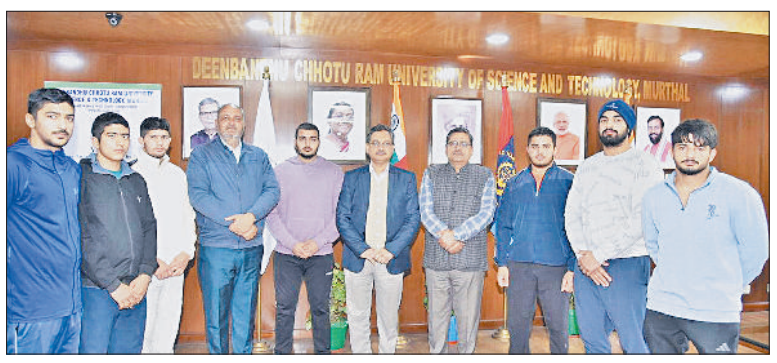


### इन पहलवानों की रहेगी प्रतिभागिता

*विश्वविद्यालय के खेल निदेशक डॉ. बीरेंद्र सिंह हुड्डा ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए चयनित पहलवानों में फ्री स्टाइल कुश्ती के अंतर्गत 125 किलोग्राम भारवर्ग में सागर दहिया, 97 किलोग्राम में आर्यन दहिया, 70 किलोग्राम में हर्ष, 74 किलोग्राम में अमन दूहन व 79 किलोग्राम भारवर्ग में रोनक विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। वहीं ग्रीको रोमन कुश्ती प्रतिस्पर्धा में 97 किलोग्राम भारवर्ग में वत्सल वशिष्ठ, 72 किलोग्राम भारवर्ग में अमन डीसीआरयूएसटी की ओर से दमखम दिखाएंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन, खेल विभाग व प्रशिक्षकों को इन खिलाड़ियों से बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद है। चयनित पहलवानों ने विश्वास जताया कि वह पूरी मेहनत व खेल भावना के साथ मुकाबले में उतरकर विश्वविद्यालय व प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।*

### वीसी ने खिलाड़ियों को सराहा

कुलपति ने चयनित पहलवानों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों का शैक्षणिक विकास के साथ खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेना भी आवश्यक है। खेल न केवल शारीरिक मजबूती प्रदान करते हैं, बल्कि विद्यार्थियों में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा, अनुशासन, टीम भावना व नेतृत्व क्षमता का भी विकास करते हैं। खेलों के माध्यम से विभिन्न संस्कृतियों को जानने व आपसी समझ बढ़ाने का अवसर मिलता है, जो राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाता है।

## सोने के जेवरों की नीलामी का झांसा देकर 7.80 लाख ठगे, मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ खरखौदा

- आसौदा टोडरान के देवेंद्र की शिकायत देकर बैंक कर्मियों पर केस दर्ज

शहर के एक निजी बैंक में सोने के जेवरों की नीलामी का झांसा देकर 7 लाख 80 हजार रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। इस संबंध में झज्जर जिले के गांव आसौदा टोडरान निवासी देवेंद्र ने खरखौदा थाना में शिकायत देकर 2 बैंक कर्मियों के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। शिकायतकर्ता देवेंद्र का कहना है कि 21 नवंबर को उसके पास हसनगढ़ निवासी के योगेश का फोन आया। योगेश ने खुद को एक बैंक से जुड़ा हुआ बताते हुए कहा कि बैंक में सोने की ज्वेलरी की नीलामी हो रही है, जो करीब 2.50 लाख रुपये में मिल सकती है। इसके बाद योगेश ने उसे खरखौदा बुलाया, जहां थाना चौक के पास एक पिज्जा प्वाइंट पर बैंक की कथित महिला कर्मचारी ज्योति से मिलवाया। आरोप है कि महिला कर्मी ने भरोसा दिलाया कि वही बैंक से ज्वेलरी छुड़वाकर देगी और किसी अन्य से बात न करने को कहा। सुरक्षा के तौर पर उसने आईसीआईसीआई बैंक खरखौदा शाखा के दो चेक दिए और 2 लाख 50 हजार रुपये लेकर चली गई। कुछ समय बाद उसने चार कड़े दिए और कहा कि 10 दिन में पैसे लौटाकर कड़े वापस ले लेगी। इसके बाद 25 नवंबर को एक बार फिर 5 लाख 30 हजार रुपये की ज्वेलरी नीलामी की बात कही गई। देवेंद्र का कहना है कि इसमें उसके दोस्त रिंकू ने 3 लाख रुपये लगाए। 26 नवंबर को ज्योति व उसके साथियों को कुल 5 लाख 30 हजार रुपये दिए गए, जिसका वीडियो भी होने का दावा किया गया है।

### जांच में नकली निकला सोना

देवेंद्र ने आरोप लगाया की ज्वेलरी को जब बहादुरगढ़ के सुनार को दिखाया गया तो वह पूरी तरह नकली पाई गई। पीड़ित का आरोप है कि जब ज्वेलरी नकली होने की बात ज्योति को बताई गई तो उसने न तो ज्वेलरी वापस ली और न ही पैसे लौटाए। जिसकी उनके पास काल रिकार्डिंग भी है। देवेंद्र का कहना है कि उसने मामले की शिकायत पुलिस को देते हुए उसके 7 लाख 80 हजार रुपये दिलवाने व आरोपितों व उनके साथियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। जिस पर पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया हैं।

## भंडेरी व कथूरा में शिविर लगाकर किसानों की एग्रीस्टैक आईडी बनाई

- कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने किसानों को दी योजना की जानकारी

**गोहाना।** कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की टीमों द्वारा रविवार को कथूरा खंड के गांव भंडेरी, कथूरा व अन्य गांवों में शिविर लगाकर किसानों की एग्री स्टैक योजना के तहत आईडी बनवाई। अधिकारियों ने कहा कि अधिक से अधिक किसानों को आइडी बनवाकर उन्हें डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ा जाएगा। इससे उन्हें भविष्य में सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिल सकेगा। उपमंडल कृषि अधिकारी डा. राजेंद्र प्रसाद मेहरा ने कहा कि ने शिविरों का निरीक्षण किया। अधिकारियों और कर्मियों ने किसानों को एग्री स्टैक आइडी बनवाने के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डा. मेहरा ने कहा कि यह आइडी भविष्य में सरकारी योजनाओं, सब्सिडी, बीमा और अन्य लाभ प्राप्त करने के लिए अनिवार्य होगी। किसान खुद भी अपनी डिजिटल आइडी बनवा सकते हैं। खंड कृषि अधिकारी डा. संजीत मलिक ने कहा कि डिजिटल आइडी से किसानों को अपनी फसलों को उचित प्लेटफार्म पर बिक्री करने की भी आनलाइन जानकारी मिलेगी।

*जो शिक्षा प्रणाली लड़के- लड़कियों को सामाजिक बुराई या अन्याय के खिलाफ लड़ना नहीं सिखाती तो उस शिक्षा में जरूर कोई न कोई बुनियादी खराबी है।*
*- मुंशी प्रेमचंद*

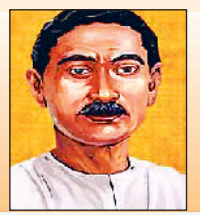

*पहला घूँट भरते ही अद्विक बोला, 'भाइयों, एक पल के लिए कल्पना करो। अगर आज हम शादीशुदा होते, तो क्या यहाँ इस तरह बैठे होते? मुमकिन है कि अयांश घर पर बच्चों का डायपर बदल रहा होता, अमन पत्नी की शॉपिंग लिस्ट के साथ मॉल में धक्के खा रहा होता और मैं स्कूल की फीस जमा करने की लाइन में लगा होता। यह आजादी जो हमें मिली है, वह अनमोल है।' चारों ने एक साथ 'चीयर्स' कहा और माहौल और भी गहरा हो गया।*

*रात के 12 बजने वाले थे। खिड़की के बाहर गोवा के आसमान में आतिशबाजी शुरू हो चुकी थी। चारों दोस्तों ने एक बार फिर अपने गिलास उठाए। उनकी आँखों में भविष्य के प्रति कोई डर नहीं था, बल्कि अपनी चुनी हुई राह पर चलने का एक गर्व था। उन्होंने जोर से नारा लगाया- 'कुंवारे नेता जिंदाबाद! आजादी जिंदाबाद!' होटल के उस कमरे में चार अलग-अलग कहानियाँ थीं, लेकिन सबका सार एक ही था, अपनी शर्तों पर जीवन जीना।*



कहानी
**डॉ. मधुकांत**

# कुंवारे नेता जिंदाबाद

दिसंबर की सर्द हवाएं जब देश के उत्तरी हिस्सों में ठिठुरन पैदा कर रही थीं, तब गोवा की सुनहरी रेत और लहरों का शोर चार दोस्तों के स्वागत के लिए तैयार था। अद्विक, अमन, विधान और अयांश—ये चार नाम नहीं, बल्कि एक अटूट दोस्ती की मिसाल थे। हर साल की तरह इस बार भी नए साल का जश्न मनाने के लिए उन्होंने गोवा के एक आलीशान पांच सितारा होटल को अपना ठिकाना बनाया। यह होटल उनकी सफलता और उनकी मेहनत की कमाई का गवाह था। होटल में दो 'कनेक्टिंग रूम' बुक किए गए थे। इन कमरों की खासियत यह थी कि इनके बीच का दरवाजा खोलते ही ये एक विशाल सुइट में तब्दील हो जाते थे। चारों दोस्तों ने कमरे में घुसते ही सबसे पहला काम उस दरवाजे को खोलने का किया। यह दरवाजा केवल लकड़ी का नहीं था, बल्कि उनके बीच के खुलेपन और पारदर्शिता का प्रतीक था।

30 से 32 वर्ष की उम्र के ये चारों युवा न केवल शारीरिक रूप से फिट थे, बल्कि अपने करियर में भी ऊंचाइयों को छू रहे थे। उनकी एक और समानता यह थी कि वे सभी अभी तक 'सिंगल' थे और अपनी इस आजादी का भरपूर आनंद ले रहे थे। अद्विक, अमन और विधान कमरे में पहुँच चुके थे और सामान व्यवस्थित कर रहे थे। अद्विक ने घड़ी की ओर देखते हुए कहा, 'अरे भाई, हम तीनों तो समय पर आ गए, लेकिन अयांश का अभी तक कोई अता-पता नहीं है। दिल्ली में बैठकर बड़ी-बड़ी हांक रहा था कि इस बार सबसे पहले पहुँचकर तुम लोगों का स्वागत करूँगा।'

अमन ने खिड़की से समुद्र की लहरों को निहारते हुए मुस्कुराकर कहा, 'अरे अद्विक, तू अयांश को नहीं जानता? वह वादाखिलाफी नहीं करता। वह असल में हम सबसे पहले पहुँचा है। रिसेप्शन पर पता चला कि वह सीधे बीच पर लहरों से टकराने चला गया है। शाम ढल रही है, अब उसके आने का ही वक्त है।'

अभी बात चल ही रही थी कि कमरे का दरवाजा धड़धड़ाते हुए खुला। कंधे पर गिटार टांगे और चेहरे पर सूरज की तपिश लिए अयांश ने प्रवेश किया।

'मैं आ गया दोस्तों! सुना है कोई मुझे याद कर रहा था?' अयांश की आवाज में वही पुरानी खनक थी। चारों दोस्त एक-दूसरे के गले मिले। खुशी का आलम यह था कि अयांश ने वहीं थिरकना शुरू कर दिया। उसकी यह पुरानी आदत थी- जब भी वह भावुक या खुश होता, उसके पैर अपने आप थिरकने लगते। देखते ही देखते बाकी तीनों भी उसके साथ नाचने लगे। होटल का वह कमरा उनकी हंसी और ठहाकों से गूंज उठा। कुछ देर की मस्ती के बाद अयांश ने अद्विक के कंधे पर हाथ रखा और कहा, 'अद्विक भाई, तू तो हमारा 'इवेंट मैनेजर' है। साल खत्म होने में कुछ ही घंटे बचे हैं और अभी तक ग्लास खाली हैं? तैयारी कहाँ तक पहुँची?'

अद्विक ने रहस्यमयी मुस्कान के साथ बगल वाले कमरे की ओर इशारा किया, 'सब इंतजाम पक्का है मेरे दोस्त। उस कमरे में चल, वहाँ जन्नत सजी है।' चारों दोस्त बगल वाले कमरे में पहुँचे, जहाँ एक गोल मेज पर दुनिया भर की बेहतरीन ड्रिंक्स, स्नैक्स और डिनर का प्रबंध था। अद्विक ने बड़ी कुशलता से पैग बनाने शुरू किए। पहला घूँट भरते ही अद्विक बोला, 'भाइयों, एक पल के लिए कल्पना करो। अगर आज हम शादीशुदा होते, तो क्या यहाँ इस तरह बैठे होते? मुमकिन है कि अयांश घर पर बच्चों का डायपर बदल रहा होता, अमन पत्नी की शॉपिंग लिस्ट के साथ मॉल में धक्के खा रहा होता और मैं स्कूल की फीस जमा करने की लाइन में लगा होता। यह आजादी जो हमें मिली है, वह अनमोल है।' चारों ने एक साथ 'चीयर्स' कहा और माहौल और भी गहरा हो गया। अयांश की 'शहीद' होने वाली कहानी बातों का सिलसिला निकला तो अमन ने अयांश की ओर देखते हुए पूछा, 'अरे अयांश, पिछले हफ्ते तू फोन पर बहुत परेशान था। कह रहा था कि घर में 'इमरजेंसी' है। फिर तूने बताया नहीं कि उस शादी वाले मामले का क्या हुआ?'

अयांश ने एक लंबी और राहत भरी सांस ली। 'भाई, मैं तो मौत के मुँह से वापस आया हूँ। तुम्हें तो पता है मेरे पापा मिलिट्री से रिटायर हुए हैं। उनके लिए अनुशासन और आदेश ही सब कुछ है। पिछले दो साल से उन्होंने मेरी शादी को अपना एकमात्र मिशन बना लिया था। इस बार मम्मी ने फोन किया कि उनकी तबीयत बहुत खराब है, मुझे तुरंत घर आना होगा। मैं घबराकर दिल्ली से गाँव पहुँचा, तो देखा मम्मी बिल्कुल भली-चंगी रसोई में पकौड़े तल रही हैं।' अयांश ने आगे बताया, 'तभी घर की घंटी बजी और पापा के जिगरी दोस्त अपनी बेटी के साथ प्रकट हुए। सब कुछ पहले से फिक्स था। मुझे और उस लड़की को बात करने के लिए ऊपर के कमरे में भेज दिया गया। मैं पसीने-पसीने हो रहा था कि अब मना कैसे करूँ? तभी उस लड़की ने ही मोर्चा संभाल लिया। उसने कमरे में घुसते ही कहा- 'देखिए, मेरा एक बॉयफ्रेंड है और मैं उसी से शादी करूँगी। मेरे पापा जबरदस्ती यहाँ लाए हैं। आप मना कर दीजिए।' मुझे लगा जैसे भगवान खुद मदद करने आए हैं। मैंने भी उससे कह दिया कि मैं भी शादी नहीं करना चाहता, पर मेरे पापा 'हिटलर' हैं। अगर मैं सादगी से मना करूँगा, तो वह मेरी खाल खींच लेंगे।'

फिर हमने एक योजना बनाई। अयांश खिलखिलाकर बोला। 'जैसे ही मम्मी चाय लेकर कमरे में आईं, हमने जानबूझकर चिल्लाना शुरू कर दिया। मैंने कहा—'मम्मी, यह लड़की तो बहुत बदतमीज है, इसे बड़ों से बात करने की तमीज नहीं है।' लड़की भी मंझी हुई कलाकार निकली, उसने तुरंत चिल्लाकर कहा कि मैंने उसकी माँ के बारे में अपशब्द कहे हैं। नीचे हॉल में ऐसा हंगामा हुआ कि रिश्ता जुड़ने से पहले ही जलकर राख हो गया। वे लोग बिना चाय पिए भाग गए और मैं अपनी आजादी लेकर वापस आ गया।' अयांश का तर्क स्पष्ट था- 'अभी मेरा करियर है। 32 साल की उम्र में मैं प्राइवेट सेक्टर में 12-12 घंटे काम करता हूँ, तब जाकर प्रमोशन मिलता है। शादी के बाद मैं न ऑफिस को समय दे पाऊँगा और न ही खुद को। इसलिए, 'नो शादी, नो बच्चे'।

"और शादी का सुख ?" अद्विक ने नया प्रसंग छेड़ दिया। "शादी का सुख लेने की बात आपने खूब कहीं। किसी भी लाइक माइंडेड लड़की के साथ दोस्ती करो। जब तक विचार मिले उनके साथ रिलेशन में रहो। मन उब जाए, तब साथ छोड़कर अलग-अलग हो जाओ। खाओ पियो मौज उड़ाओ, न किसी को अपनाने का झंझट, न तलाक देने की परेशानी..।" विधान, जो अब तक शांत बैठा था, बोला, 'अयांश, तूने तो ड्रामा करके खुद को बचा लिया, लेकिन मेरे पड़ोस में रामू आंटी के बेटे का हाल देखो तो रूह कांप जाती है। उसने दहेज और रसूख के लालच में एक बहुत अमीर लड़की से शादी की। आज स्थिति यह है कि उस लड़की ने अपनी अकड़ में बेचारी रामू आंटी को ओल्ड एज होम भेज दिया है। वह लड़का अपने ही घर में एक नौकर की तरह रहता है। उसकी कोई अपनी इच्छा नहीं बची। जब मैं उसे देखता हूँ, तो मुझे लगता है कि अकेले रहकर चैन की नींद सोना किसी भी आलीशान महल की गुलामी से बेहतर है।'

अंत में सबकी निगाहें चौथे दोस्त पर टिकीं। वह शांत, गंभीर और हमेशा खादी के कुर्ते में रहने वाला व्यक्ति था, जिसे सब प्यार से 'नेताजी' बुलाते थे। अद्विक ने पूछा, 'नेताजी, आप तो समाजसेवा की बातें करते हैं। आप क्यों इस गृहस्थी के झमेले से दूर रहना चाहते हैं?' नेताजी ने अपने चश्मे को ठीक किया और बहुत गंभीरता से कहा, 'दोस्तों, मेरा लक्ष्य केवल व्यक्तिगत सुख नहीं, बल्कि समाज की सेवा है। राजनीति की बिसात पर कुंवारा होना एक बहुत बड़ी ताकत है। इसके पीछे मेरे अपने ठोस तर्क हैं।' उन्होंने उंगलियों पर गिनवाते हुए कहा 1. समय की प्रचुरताः एक शादीशुदा नेता हमेशा घर और जनता के बीच बंटा रहता है। मुझे न घर की चिंता करनी है, न बच्चों के स्कूल की। मेरा 24 घंटा जनता का है।

2. ईमानदारी की छविः जनता उस नेता पर ज्यादा भरोसा करती है जिसके आगे-पीछे कोई न हो। लोग सोचते हैं कि यह किसके लिए भ्रष्टाचार करेगा? इसका तो कोई वारिस ही नहीं है।

3. विरासत का मोह नहींः हमने देखा है कि बड़े-बड़े नेताओं के बिगड़ैल बेटे ही अपने पिता की मेहनत पर पानी फेर देते हैं। परिवारवाद की जड़ ही परिवार है। जब परिवार ही नहीं होगा, तो मोह कहाँ से आएगा? भारत के इतिहास में भी देखो, कई बड़े मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री कुंवारे रहे हैं और उनकी छवि बेदाग रही है। नेताजी की बातों में एक अलग ही गहराई थी। उन्होंने निष्कर्ष निकालते हुए कहा, 'मैंने तय किया है कि मेरा जीवन किसी एक स्त्री या बच्चे के लिए नहीं, बल्कि समाज के हर उस बच्चे के लिए होगा जिसे मेरी जरूरत है। इसलिए-नो शादी, नो बच्चे, बस सेवा!

रात के 12 बजने वाले थे। खिड़की के बाहर गोवा के आसमान में आतिशबाजी शुरू हो चुकी थी। चारों दोस्तों ने एक बार फिर अपने गिलास उठाए। उनकी आँखों में भविष्य के प्रति कोई डर नहीं था, बल्कि अपनी चुनी हुई राह पर चलने का एक गर्व था। उन्होंने जोर से नारा लगाया- 'कुंवारे नेता जिंदाबाद! आजादी जिंदाबाद!' होटल के उस कमरे में चार अलग-अलग कहानियाँ थीं, लेकिन सबका सार एक ही था, अपनी शर्तों पर जीवन जीना। संगीत तेज हुआ, आतिशबाज़ी से आसमान रंगीन हो गया और इसी के साथ नए साल का आगाज हुआ। वे चारों दोस्त, जो समाज की नजर में शायद 'अधूरे' थे, अपनी नजरों में पूरी तरह 'मुकम्मल' महसूस कर रहे थे।

कविता
**सुधीर ढांडा कौल**

## डंडे की मार

जानवरों से मुझे लगाव बहुत है,
उन्हें पालने का चाव बहुत है।

एक साथ बिल्ली बंदर कुत्ते को पाला,
सफ़ेद कुत्ता, भूरा बंदर, बिल्ली
का रंग था काला।

थी तीनों की गजब की यारी,
बिल्ली कुत्ते खेलते,बंदर करता सवारी।

एक ही कटोरे में तीनों खाते थे,
एक दूसरे से लिपटकर सोते थे।

बंदर को मै गाड़ी पर ले जाता था,
कुत्ता बिल्ली के पास घर पर रहता था।

अपने हाथों से खाना उन्हें खिलाता था,
दूध कटोरे में खूब उन्हें पिलाता था।

एक दिन मेरी माँ ने गुस्से में
बिल्ली को डंडा मार दिया

और उस प्यारे कुत्ते को भी घर
से बाहर निकाल दिया।

डंडे से बिल्ली की टाँग टूट गई,
बिल्ली का दर्द देख माँ रूठ गई।

मां ने मरहम बनाई और बिल्ली
की टाँग पर लगाई,

बहुत दिनों बाद बिल्ली बेचारी
थोड़ा थोड़ा चल पाई।

बिल्ली घर से दौड़ गई,
कुत्ते की हो मौत गई,

बंदर को मैंने छोड़ दिया,
जानवरों से नाता तोड़ दिया।

सुधीर टूट गई तीनों की यारी, ये
थी बातें बचपन की सारी।

इसमें कुछ भी झूठ नहीं है,मेरे
पास फोटो जैसा सबूत नहीं है।

कविता
**मनोज वशिष्ठ**

## विश्व वीर विवेकानंद

उठा शिखर से घोष एक, जो सागर पार सुनाया था,
सोए भारत की अंतस को, जिसने आन जगाया था।
गेरुआ वसन, ललाट पे तेज, आँखों में करुणा की धार,
वह संन्यासी नहीं मात्र, था भारत का ही अवतार।

शिकागो की उस सभा बीच, जब गूँजा 'भ्राता-भगिनी' स्वर,
स्तब्ध रह गया विश्व सकल, झुक गया गर्व से मस्तक पर।
वेदांत की पावन वाणी से, जग का संशय दूर किया,
पश्चिम की भौतिक चकाचौंध में, अध्यात्म का नूर दिया।

कहा उन्होंने— उठो! जागो! मत रुको राह के रोड़ों से,
मंजिल तुमको ही चुननी है, संघर्षों के इन घोड़ों से।
शक्ति ही जीवन का सच है, कमजोरी बस एक मृत्यु है,
वीर वही जो अडिग खड़ा, चाहे सम्मुख काल-नृत्य है।

₹मनुष्य-निर्माण₹ ही लक्ष्य रहे, वह शिक्षा असली कहलाती,
जो दीन-दुखी के आँसू पोंछे, वह भक्ति सच्ची कहलाती।
लोहे की हों मांसपेशियाँ, फौलादी जिनका सीना हो,
विवेकानंद के सपनों का, भारत ऐसा नगीना हो।

रेवाड़ी की पावन माटी से, हम यह संकल्प दोहराते हैं,
'विज़न 2026' के पथ पर, हम बढ़ते ही जाते हैं।
हाथों में विज्ञान रहे, और मन में संचित संस्कार रहें,
हम विवेकानंद के अनुयायी, राष्ट्र-प्रेम के आधार रहें।

लघुकथा
**डॉ. तबस्सुम जहां**

## आत्मा का अंश

शिष्यः गुरुजी, आत्मा क्या है?गुरुजीः वत्स, आत्मा एक ऊर्जा है, जो चिरकाल से ब्रह्मांड में विचरण करती है — जैसे असंख्य तारे, ग्रह और धूमकेतु।
**शिष्यः** और गुरुजी, आत्मिक जुड़ाव क्या होता है?
**गुरुजीः** जब हमारी आत्मा का कोई अंश एक जन्म से दूसरे जन्म तक किसी को पाने को व्याकुल हो उठता है, जब किसी अनजाने से बिना मिले ही गहरा जुड़ाव महसूस होता है — तब समझना चाहिए कि आत्मा का वह अंश अपने दूसरे हिस्से से मिलने को आतुर है। वह मिलकर पूर्णता की ओर बढ़ना चाहता है।
**शिष्यः** परंतु गुरुदेव, आत्मा के वे दो हिस्से, दो व्यक्ति, कैसे मिलेंगे?
**गुरुजीः** वत्स, नियति चाहे जितनी राहें मोड़े, आत्माएँ अपने हिस्सों को ढूंढ ही लेती हैं। जो होना है, वह होकर ही रहता है।
**शिष्यः** क्या यह ज़रूरी है कि दोनों में प्रेम भी हो? जबकि मिलन से पहले उनके जीवन के मार्ग अलग-अलग हो चुके हैं?
**गुरुजीः** यही तो नियति की लीला है वत्स। आत्मा जिसे चुनती है, उससे वह प्रेम मांगती नहीं , बस देती है। यह प्रेम देह या मन का नहीं होता, यह निस्वार्थ होता है। आत्मा न किसी शर्त को जानती है, न किसी बंधन को मानती है।
**शिष्यः** और यदि दूसरा व्यक्ति उस प्रेम को न समझे?
**गुरुजीः** समझेगा वत्स... समय आने पर अवश्य समझेगा। प्रारंभ में वह भ्रमित रहेगा, दूर भागेगा, कड़वे वचन कहेगा, तिरस्कार करेगा। किंतु जब सब शांत होगा, वह अपने भीतर झांकेगा — तब उसे यह ज्ञात होगा कि जिस प्रेम को वह ठुकरा रहा था, वह कोई साधारण आकर्षण नहीं था... वह उसकी ही आत्मा का एक विलग अंश था।
**शिष्यः** तब क्या होगा गुरुदेव?
**गुरुजी** (मुस्कुराते हुए)ः तब... वह मौन में प्रार्थना करेगा कि वह प्रेम फिर लौट आए। पर तब तक वह प्रेम किसी दूसरी ऊँचाई पर पहुँच चुका होगा। जहाँ से लौटना संभव नहीं होगा। क्योंकि आत्मा का वह अंश अपना कर्तव्य पूरा कर चुका होगा — निःस्वार्थ प्रेम देकर... किसी अपेक्षा के बिना।

**'हरियाणवी साहित्य' केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यहां के जनजीवन, इतिहास और दर्शन का दर्पण है। विडंबना यह है कि इतना समृद्ध होने के बावजूद हरियाणवी साहित्य को वह अकादमिक सम्मान और पहचान नहीं मिल पाई है, जिसका वह हकदार है। हरियाणवी साहित्य की जड़ें बहुत गहरी हैं, लेकिन आज भी इसे हिंदी की एक 'बोली' मात्र मानकर हाशिए पर रख दिया जाता है।**

मंथन
**डॉ. चंद्र त्रिखा**

# हरियाणवी साहित्य में शोध की नितांत आवश्यकता

हरियाणवी साहित्य' हरियाणा की उज्ज्वल सांस्कृतिक एवं बौद्धिक परंपरा की नींव है। सरस्वती से पोषित हरियाणा की धरती साहित्यिक दृष्टि से बहुत उपजाऊ रही है। इसे वेद, पुराण, गीता, महाभारत आदि पवित्र ग्रंथों की रचना-स्थली होने का गौरव प्राप्त है। आधुनिक साहित्यिक परंपरा का आरंभ हर्षवर्धनकाल से माना जाता है।

इस काल में अनेक ब्राह्मण ग्रंथ एवं वेदों के स्पष्टीकरण हेतु धर्मसूत्र, उपनिषद्, मनुस्मृति, महाभारत आदि की रचना की गई। इसके अतिरिक्त अनेक काव्य धाराएं यथा जैन काव्यधारा, संत काव्यधारा, सूफी काव्यधारा, वैष्णव भक्ति काव्यधारा आदि प्रवाहित हुई। विशाल 'हरियाणवी साहित्य' में जो साहित्य 'हरियाणवी' में लिखा गया, उसने हरियाणा को विशेष पहचान दी है।

'हरियाणवी साहित्य' केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यहाँ के जनजीवन, इतिहास और दर्शन का दर्पण है। विडंबना यह है कि इतना समृद्ध होने के बावजूद, हरियाणवी साहित्य को वह अकादमिक सम्मान और पहचान नहीं मिल पाई है, जिसका वह हकदार है। हरियाणवी साहित्य की जड़ें बहुत गहरी हैं। नाथ-सिद्ध परंपरा से लेकर सूफी संतों की वाणियों तक और पंडित लखमीचंद के सांगों से लेकर आधुनिक कविता तक, इसका विस्तार बहुत बड़ा है, लेकिन आज भी इसे हिंदी की एक 'बोली' मात्र मानकर हाशिए पर रख दिया जाता है। विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में हरियाणवी साहित्य का हिस्सा न के बराबर है। जो थोड़ा बहुत साहित्य उपलब्ध है, वह या तो मौखिक परंपरा में है या फिर पुरानी, जीर्ण-शीर्ण पांडुलिपियों में बंद है।

### 'श्रुति परंपरा' पर आधारित है साहित्य का बड़ा हिस्सा

हरियाणवी साहित्य का एक बहुत बड़ा हिस्सा 'श्रुति परंपरा' पर आधारित है। हमारे बुजुर्गों के पास लोकगीतों, किस्सों, मुहावरों और कहानियों का खजाना है। जैसे-जैसे पुरानी पीढ़ी जा रही है, यह खजाना भी लुप्त होता जा रहा है। शोध के माध्यम से इन मौखिक रचनाओं को लिपिबद्ध करना अत्यंत आवश्यक है, अन्यथा आने वाली पीढ़ियों के लिए यह इतिहास हमेशा के लिए मिट जाएगा। हम पं. लखमीचंद, बाजे भगत या पं. मांगेराम जैसे बड़े रचनाकारों को तो जानते हैं, लेकिन हरियाणा के गांवों में ऐसे सैकड़ों कवि और रचनाकार हुए हैं जिनकी रचनाएं अद्भुत हैं, लेकिन उन्हें कोई नहीं जानता। इसलिए अब आवश्यक है कि गांवों की खाक छानकर ऐसे गुमनाम रचनाकारों को खोजा जाए और उन्हें साहित्य के पटल पर स्थापित किया जाए।

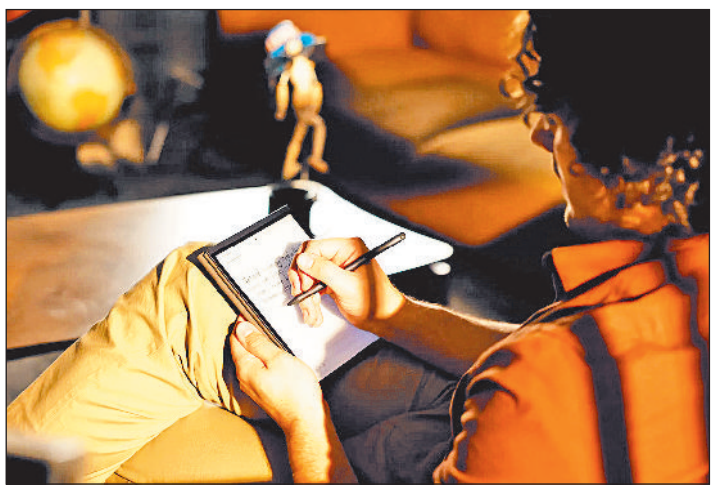



अतीत में इस दिशा में दिवंगत देवी शंकर प्रभाकर, शसाधुराम शारदा, प्रोफेसर लालचंद गुप्त मंगल रघुवीर मथाना, प्रोफेसर बाबूराम, डॉ. रामफल चहल, डॉ. राजेंद्र वत्स द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में हरियाणवी साहित्य के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया गया है। हरियाणवी भाषा एवं लिपि के क्षेत्र में डॉक्टर जगदेव सिंह द्वारा ठोस कार्य किया गया है। आवश्यकता है इस लग्न एवं प्रतिबद्धता के साथ इस कार्य को आगे बढ़ाया जाए।

### ठोस कदम उठाने होंगे

शोध की दिशा में सकारात्मक बदलाव के लिए कुछ ठोस कदम उठाने होंगे। पुरानी पांडुलिपियों और ऑडियो रिकॉर्डिंग्स को डिजिटल रूप में संरक्षित किया जाना चाहिए। एम.ए. और पीएच.डी. करने वाले छात्रों को हरियाणवी साहित्य पर शोध करने के लिए विशेष छात्रवृत्ति दी जानी चाहिए। ऐसे प्रोजेक्ट्स शुरू करने चाहिए जिनमें शोधकर्ता गांवों में जाकर लोक साहित्य इकट्ठा करें। यह केवल भाषा का सवाल नहीं है, बल्कि यह हरियाणवी अस्मिता और संस्कृति को बचाने का सवाल है। जब हम अपनी भाषा और साहित्य पर शोध करेंगे, तभी हम दुनिया को बता पाएंगे कि हरियाणवी केवल 'लठ्ठमार' बोली नहीं है, बल्कि इसमें जीवन का गहरा दर्शन, प्रेम और करुणा भी समाहित है।

हरियाणवी भाषा बांगरू, देशवाली, अहीरवाटी, कौरवी आदि के नाम से हर 20-30 किलोमीटर पर बदल जाती है। शोध की कमी के कारण इसका कोई एक मानक सर्वमान्य रूप विकसित नहीं हो पाया है। जब तक भाषा के व्याकरण और शब्दकोश पर गहरा शोध नहीं होगा, तब तक इसे शिक्षा के माध्यम के रूप में या संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल करने का दावा मजबूत नहीं हो पाएगा। हरियाणवी सांगों और रागनियों में उस समय की सामाजिक कुरीतियों, अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष, अकाल और खेती-किसानी के संघर्ष का वर्णन मिलता है।

शोध द्वारा हमें हरियाणा का एक ऐसा सामाजिक इतिहास मिलेगा जो किसी इतिहास की किताब में नहीं है। हरियाणवी अब केवल रागनियों तक सीमित नहीं है। आज अनेक कवि हरियाणवी में गजलें, दोहे, मुक्तक, नाटक और उपन्यास लिख रहे हैं।

# अध्यात्म एवं यथार्थ का संगम है 'जब तक तुम ना आओगे'

**पुस्तकः जब तक तुम ना आओगे**
**लेखिकाः सविता गर्ग**
**मूल्यः 210 रुपये**
**प्रकाशकः अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली**

पुस्तक समीक्षा
**डॉ. विजेंद्र कुमार**

कवयित्री सविता गर्ग से मेरा परिचय काफी पुराना है। उसने अपनी पहली काव्य कृति 'मैं मीरा सी' मुझे भेंट की थी। जब तक तुम ना आओगे उनका चौथा काव्य संग्रह है। इस काव्य संग्रह में उनकी 97 कविताएं संकलित हैं। इन कविताओं में कवयित्री का मन प्रेम, भक्ति, देश प्रेम ,अध्यात्म, विरह तथा समकालीन यथार्थ के विभिन्न आयामों की यात्रा करता प्रतीत होता है। यह सभी कविताएं उनकी रचनाशीलता के बहुआयामी व व्यापक दृष्टिकोण को रेखांकित करती हैं। श्री कृष्ण को समर्पित कुछ कविताएं उनकी आध्यात्मिक चेतना के उज्ज्वल स्वरूप को आलोकित करती हैं। कवयित्री ने यह संग्रह भगवान श्री कृष्ण को ही समर्पित किया है। सविता अपनी अनुभूति को व्यक्तिगत परिधि से निकालकर सार्वभौमिक करने में सफल रही हैं। नारी पीड़ा की वेदना उनकी इन कविताओं में दृष्टव्य है - सिया सती राधा रुक्मण सारे रूपों से गुजरी हूं मोहन की जोगन बन घूमी में मीरा वही दीवानी हूं। इसी प्रकार मैं सदियों पुरानी हो गई हूं कविता में वह कहती हैं : परियों की कहानी हो गई हूं, शिलाओं पर लिखी निशानी हो गई हूं। 'जीवन उत्सव है' कविता का संदेश अनुकरणीय है, मानवता हो धर्म सभी का, सब उस रब के बंदे नेक भाव हो नेक हो नीयत नेक हो सब धंधे निर्बल का बल बन जाए जीवन उत्सव है। शहीदों को समर्पित कविता में वह कहती हैं -भारत मां के वीर सिपाही हंस फांसी पर झूल गए, हाय दुर्भाग्य हमारा, हम उनको ही भूल गए। देश की सीमाओं पर बलिदान शहीद के लिए लिखा उनका एक गीत बहुत मार्मिक बन पड़ा है। इस गीत से उन्हें मंचों पर विशेष ख्याति भी मिली है : प्राण तन में नहीं आंखें पथराई हैं उसके बिना घर की खुशियां मुरझाई हैं, रोता रहता है उसका पिता डाकिए उसकी आई क्या चिट्ठी बता डाकिए। नए साल की शुभकामनाएं देती कवयित्री कहती है- मानव धर्म सभी अपनाए जात-पात आड़े ना आए दिल में ज्ञान की जोत जलाएं दुख के बादल सब छट जाएं नए साल की भोर में। सविता गर्ग के मधुर कंठी गीतों की महक अनेक काव्य मंचों की शोभा बनती है। उनकी रचना धर्मिता में अपार संभावनाएं भी हैं। आलोच्य काव्य संग्रह का प्रकाशन एवं प्रस्तुतिकरण दोनों ही उत्कृष्ट कोटि के हैं।

## खबर संक्षेप

सोनीपत। बैठक के दौरान उपस्थित गणमान्य लोग। फोटो : हरिभूमि

### शिव मंदिर धार्मिक सभा में नई कार्यकारिणी का गठन

**सोनीपत।** तारा नगर सोनीपत स्थित शिव मंदिर धार्मिक सभा की बैठक आयोजित की गई, जिसमें आगामी धार्मिक आयोजनों और संगठनात्मक संरचना से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में सर्वसम्मति से यह संकल्प लिया गया कि 9 फरवरी 2026 से 15 फरवरी 2026 तक श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा तथा 16 फरवरी 2026 को भंडारे का कार्यक्रम रखा जाएगा।

### स्लोगन के माध्यम से दिया नशा मुक्ति का संदेश

**गोहाना।** शहर के राजकीय महिला महाविद्यालय में नशा मुक्ति एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने स्लोगन लेखन से नशा मुक्ति का संदेश देते हुए इसके दुष्प्रभावों बारे अवगत करवाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. मीनाक्षी सांगवान ने की और संयोजन डॉ. एकता वशिष्ठ का रहा।

### कर्मचारियों से अन्याय कर रही सरकार : पवार

**सोनीपत।** कांग्रेस की रिटायर कर्मचारी सेल की मीटिंग बूथ मैनेजमेंट टीम कॉर्डिनेटर डॉ. अनिल पवार की अध्यक्षता में कांग्रेस भवन में आयोजित हुई। बैठक में मौजूदा सरकार के तानाशाही रवैये पर विस्तृत चर्चा की गई। उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि आने वाले समय में होने वाले हर चुनाव में रिटायरमेंट कर्मचारियों की सेल बढ़-चढ़कर हिस्सा लेगी, तानाशाही सरकार को उखाड़ फेंकने का प्रयास करेगी।

### पंजाबी महासभा ने की चौक की सफाई

**गोहाना।** पंजाबी महासभा गोहाना द्वारा अपनी साप्ताहिक सेवा में रविवार को शहर में बाबू जगजीवन राम चौक को बुहारा गया। सदस्यों ने चौक की साफ-सफाई करके लोगों को स्वच्छता का महत्व समझाया। महासभा द्वारा शहर में बनाए गए महापुरुषों के चौकों की साफ-सफाई के लिए अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत महासभा की टीम द्वारा सप्ताह के प्रत्येक रविवार को एक चौक की सफाई करते हुए बारी-बारी से सभी चौकों की सफाई की जाएगी।

### हवन कर हिंदू संस्कृति को अपनाने का दिया संदेश

**सोनीपत।** जीवन रक्षक फाउंडेशन की ओर से संस्था के रजिस्टर्ड होने के 4 वर्ष पूर्ण होने पर रविवार को गांव रोहट स्थित श्रीराम मंदिर में हवन का आयोजन किया गया। फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं गऊ सेवक नीरज ने सभी सदस्यों के साथ हवन में आहुति डाली। हवन में संस्था से जुड़े जिलाभर के युवाओं ने भाग लिया। युवाओं ने एकजुटता के साथ हवन कर समाज को भी जागरूकता का संदेश दिया।

# मिट्टी डालने के बाद पूरा करने देंगे फिरनी का निर्माण

- गांव धनाना में निर्माणाधीन रिंग बांध पर मिट्टी डलवाने के लिए ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोहाना

गांव धनाना में फिरनी (रिंग बांध) को इंटरलॉक टाइलों से पक्का किया जा रहा है। इसके लिए रिंग बांध को जेसीबी मशीन से समतल किया गया है। कुछ दूरी में रिंग बांध की ऊंचाई होने पर ग्रामीणों ने चिंता जताई है। ग्रामीणों ने अधिकारियों से मौके का निरीक्षण करने और रिंग बांध पर मिट्टी डालकर इसका लेवल ऊंचा उठवाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा कि रिंग बांध पर मिट्टी डालकर इसका लेवल ऊंचा उठाने के बाद ही वे इसका निर्माणकार्य पूरा होने देंगे। विकास खंड कथूरा के गांव धनाना में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय से लेकर कथूरा मार्ग तक करीब डेढ़ किलोमीटर की लंबाई में फिरनी कच्ची थी। प्रशासन द्वारा अब इस फिरनी को इंटरलॉक टाइलों से पक्का किया जा रहा है। ग्रामीण पं. श्यामवेद, कृष्ण, राजबीर, हुकमचंद, आजाद, रामफल और बलबीर के अनुसार फिरनी के इस टुकड़े को करीब 900 मीटर की लंबाई में पक्का किया जा चुका है जबकि करीब इतनी ही दूरी में इसको पक्का करने का काम चालू है। फिरनी पर चिड़ी मार्ग से लेकर आगे करीब 500 मीटर की दूरी में लेवल कम ऊंचा है। फिरनी की मिट्टी को समतल करने के बाद यहां से दबाई गई पेयजल पाइपलाइन भी भूमि से ऊपर आ चुकी है। ऐसे में फिरनी पर करीब 2 फीट मिट्टी डालकर इसका लेवल ऊंचा उठाने की जरूरत है। पं. चांद, कृष्ण, ऋषिराम, रत्न, देवीराम, ठंडीराम और मुकेश ने प्रशासन से इस मामले में शीघ्र संज्ञान लेकर फिरनी पर मिट्टी डलवाने की मांग की। ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा कि मिट्टी डालने के बाद ही रिंग बांध का निर्माणकार्य पूरा होने दिया जाएगा।

गोहाना। निर्माणाधीन रिंग बांध पर मिट्टी डलवाने की मांग करते हुए गांव धनाना के ग्रामीण व रिंग बांध पर मिट्टी से बाहर दिखाई दे रही पेयजल पाइपलाइन। फोटो : हरिभूमि

### मानसून में पानी आने से परेशानी

ग्रामीण पंडित नरेश, साधु, राजू, सुभाष, रामभज, दीपक, मनोज और रमेश ने कहा कि बारिश के दिनों में हर साल गांव के खेतों में बारिश का पानी भर जाता है। फिरनी जब कच्ची थी तब इसका लेवल अब से ऊंचा था उसके बाद भी खेतों से बारिश का पानी फिरनी के ऊंपर से आबादी क्षेत्र में घुस जाता था। अब फिरनी का लेवल समतल करने और मिट्टी के फैलाव के बाद इसका लेवल काफी नीचा हो गया है। ऐसे में बारिश के दिनों में खेतों का पानी गांव के आबादी क्षेत्र में घुसने का खतरा और अधिक बढ़ गया है। फिरनी के बीच में से दबाई गई पेयजल पाइपलाइन भूमि से ऊपर दिखाई दे रही है। ग्रामीणों का कहना है कि पाइपलाइन पर कम से कम दो फीट मिट्टी होनी चाहिए अन्यथा वाहनों के दबाव से यह टूट जाएगी और गांव में पेयजल आपूर्ति बाधित हो जाएगी।

# सोनीपत स्टेशन का भवन निर्माण पूरा पार्किंग का तेजी से चल रहा काम

## निर्माण कार्य मार्च माह तक पूरा करवाने का लक्ष्य, लोगों को होगा लाभ

- रेलवे स्टेशन के सामने मुख्य प्रवेश द्वार के साथ होगी आधुनिक पार्किंग, कार व दोपहिया वाहन चालकों के लिए होगी अलग व्यवस्था
- अमृत भारत स्टेशन परियोजना के तहत सोनीपत स्टेशन पर 29 करोड़ रुपये से किए जा रहे पुनर्विकास के कार्य
- शेष बचे कार्यों को पूरा करने में आई तेजी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

सोनीपत। सोनीपत स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार पर पार्किंग का किया जा रहा विस्तार तथा स्टेशन पर पार्किंग विस्तार के लिए कार्य करते मजदूर। फोटो : हरिभूमि

रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए जल्द कार, ऑटो व दोपहिया वाहन पार्किंग की अलग-अलग व्यवस्था होगी। स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार पर भवन निर्माण पूरा करने के साथ पार्किंग क्षेत्र के विस्तार का कार्य भी शुरू हो गया है। वाहनों के लिए आधुनिक पार्किंग की व्यवस्था पर तेजी से काम किया जा रहा है, ताकि जल्द यात्रियों को सुविधा का लाभ मिल सके।

अमृत भारत स्टेशन परियोजना के अंतर्गत दिल्ली मंडल के करीब 14 रेलवे स्टेशनों पर होने वाले विस्तार कार्यों में सोनीपत स्टेशन को भी शामिल किया गया है। यहां करीब 29 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्य किए जा रहे हैं। मुख्य प्रवेश-निकासी द्वार पर भवन निर्माण के बाद आगे पार्किंग क्षेत्र के विस्तार का कार्य प्रारंभ हो चुका है। रेलवे अधिकारियों के नेतृत्व में कार्यरत गुरुग्राम की कंपनी ने मार्च 2026 तक प्रथम चरण के कार्यों को पूरा करने का लक्ष्य रखा है। इसके बाद गुड़ मंडी की तरफ दूसरे प्रवेश द्वार पर भी पार्किंग का विस्तार करवाया जाएगा। यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने व सोनीपत स्टेशन को मॉडल स्टेशन के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से निर्माण कार्यों में तेजी लाई गई है, जबकि 85 फीसदी कार्य पूरा कर लिया गया है। इससे रोजाना दिल्ली-अंबाला रूट पर आवागमन करने वाले करीब 40 हजार यात्रियों को लाभ मिल सकेगा।

### 85 प्रतिशत कार्य पूरा

अमृत भारत स्टेशन परियोजना के अंतर्गत सोनीपत स्टेशन पर प्रथम चरण के 85 फीसदी कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं। मुख्य प्रवेश-निकासी द्वार पर भवन निर्माण पूरा करने के साथ पार्किंग क्षेत्र का विस्तार शुरू हो चुका है। जल्द ही द्वितीय प्रवेश द्वार पर पार्किंग क्षेत्र का विस्तार होगा। रेलवे ने यात्रियों को स्टेशन पर आधुनिक सुविधाओं का लाभ मुहैया करवाने के लिए मार्च 2026 तक काम पूरा करवाने का लक्ष्य रखा है।

-पुष्पेश रमन त्रिपाठी, रेल प्रबंधक (डीआरएम), दिल्ली मंडल

### दिशा सूचक बोर्ड दिव्यांगों के लिए बनेंगे सहायक

ए ग्रेड श्रेणी में शामिल सोनीपत स्टेशन पर दिव्यांग यात्रियों की सुविधा के लिए दिशा सूचक बोर्ड भी लगाए जाएंगे। इसके अलावा कोच गाइडेंस सिस्टम, भवन के अंदर प्रतीक्षालय कक्ष, फूड प्लाजा, महिलाओं, पुरुषों व दिव्यांग जन के लिए अलग-अलग आधुनिक शौचालयों की व्यवस्थाएं की जा रही हैं। स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर स्वचालित सीढ़ियां लग चुकी है, जबकि कुल 3.84 करोड़ रुपये की लागत में चार और स्वचालित सीढ़ियां लगाई जाएंगी।

### सुंदरता को बढ़ावा देगा बीच में वर्टिकल गार्डन

पार्किंग विस्तार के चलते करीब दो साल बाद मुख्य प्रवेश द्वार के सामने का रास्ता वाहन चालकों के आवागमन के लिए खोल दिया गया है। साथ ही स्टेशन परिसर की सुंदरता को बढ़ाने के लिए मुख्य प्रवेश द्वार पर वर्टिकल गार्डन का निर्माण भी करवाया जा रहा है। मुख्य प्रवेश-निकासी द्वार पर पार्किंग क्षेत्र के विस्तार कर वर्टिकल गार्डन में विभिन्न प्रजाति के पौधे लगाकर इसे आकर्षक रूप दिया जाएगा।

खरखौदा। रैली को रवाना करते हुए प्राचार्या व संस्थापक। फोटो : हरिभूमि

# एनएसएस स्वयंसेवकों ने निकाली जागरूकता रैली

हरिभूमि न्यूज ⏭ खरखौदा

- प्रताप सिंह मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजन

प्रताप सिंह मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर के चौथे दिन समाज को जागरूक करने हेतु बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ विषय पर एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जिसके माध्यम से एनएसएस स्वयंसेवकों ने कन्या भ्रूण हत्या रोकने, बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने तथा बेटियों को समान अधिकार देने का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। रैली को विद्यालय की प्राचार्या दया दहिया एवं विद्यालय के संस्थापक सतप्रकाश दहिया ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली प्रताप स्कूल परिसर से प्रारंभ होकर खरखौदा के मुख्य मार्गों से होती हुई बस स्टैंड तक निकाली गई। रैली के दौरान स्वयंसेवकों ने हाथों में तख्तियाँ, बैनर और पोस्टर लेकर बेटी है तो कल है, बेटी बचाओ, देश बचाओ, बेटी और बेटा एक समान जैसे प्रेरणादायक नारे लगाए। इस अवसर पर प्राचार्या दया दहिया ने कहा कि बेटियों को बचाना और पढ़ाना केवल एक अभियान नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। विद्यालय संस्थापक सतप्रकाश दहिया ने स्वयंसेवकों की सराहना करते हुए कहा कि एनएसएस का उद्देश्य विद्यार्थियों को समाज के प्रति जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनाना है, और ऐसी रैलियाँ समाज में सकारात्मक सोच विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम अधिकारी फूल कंवार की देखरेख में आयोजित इस रैली ने समाज में एक सशक्त संदेश दिया कि बेटियों का संरक्षण और शिक्षा ही उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है।

### प्रदीप सांगवान ने अपने जन्मदिन पर बांटी व्हील चेयर

**गोहाना।** बरोदा हलका से भाजपा के पूर्व प्रत्याशी एवं प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य प्रदीप सांगवान ने रविवार को अपने 50वें जन्मदिन पर दिव्यांगों में व्हील चेयर वितरित की। यह कार्यक्रम राजकीय महिला महाविद्यालय के समीप उनके कार्यालय पर आयोजित किया गया। इस दौरान सोनू गढ़ी उजालें खां, सीटू रिंढाना, वरुण आहुलाना, अनूप रमडा और आशीष शामडी को व्हील चेयर वितरित की।

# लोकतंत्रिक प्रणाली में राजनीतिक ताकत दिखाने का रैली सशक्त माध्यम : खरखौदा

हरिभूमि न्यूज ⏭ खरखौदा

खरखौदा। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते विधायक पवन खरखौदा। फोटो : हरिभूमि

गत 28 दिसंबर को हुई विकास रैली को सफल बनाने के लिए विधायक पवन खरखौदा ने कार्यकर्ताओं का धन्यवाद किया। इस उद्देश्य से आयोजित बैठक में उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ही एक ऐसी पार्टी है जिसमें आखिरी पंक्ति में बैठे कार्यकर्ता को भी उतना ही मान सम्मान मिलता है, जितना प्रथम पंक्ति में बैठे कार्यकर्ता को मिलता है। ऐसा केवल आंतरिक लोकतंत्रिक वाली राजनीतिक पार्टी भाजपा में ही संभव है। यही कारण है कि भाजपा विश्व की नंबर वन पार्टी बनकर उभरी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में तीसरी बार सरकार बनते ही पार्टी द्वारा चुनाव के दौरान जो घोषणा पत्र में वादे किए गए थे। उनमें से 54 वादों को पूरा किया जा चुका है। बाकी कार्यों पर भी तीव्रता से पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी लोकतंत्रिक देश में राजनीतिक ताकत दिखाने का एकमात्र मार्ग भीड़ जुटाना अर्थात रैली आदि करना होता है। इस मौके पर पदाधिकारी मौजूद रहे।

### श्री राम परिवार सोनीपत में सुन्दरकाण्ड पाठ और श्री रामकथा का आयोजन

**सोनीपत।** श्री राम परिवार, सोनीपत द्वारा शांति विहार में श्री सुन्दरकाण्ड का पाठ, हरिनाम संकीर्तन और श्री रामकथा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन शनिवार को श्री प्रवीण कुमार के सौजन्य से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर भक्ति एवं आध्यात्मिक वातावरण को अनुभव किया। संस्था के प्रमुख ओमप्रकाश अरोड़ा ने श्रीरामचरितमानस के प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि श्रीराम और हनुमान का संवाद भक्ति, निष्ठा और समर्पण का प्रेरक उदाहरण है। उन्होंने बताया कि ऋष्यमूक पर्वत पर प्रथम मिलन से लेकर लंका दहन के बाद सीता माता का संदेश लाने तक हनुमान की निष्ठा और साहस को श्रीराम ने सदैव सम्मान दिया।

# डेरा बाबा समक शाह ऋषि धाम में नव कुंडी सप्त चंडी यज्ञ व भंडारा छह को

- मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को दिया निमंत्रण

**गन्नौर ।** खुबडू गांव के पास डेरा बाबा समक शाह ऋषि धाम में धर्म, आस्था और तपस्या का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। तपस्वी बाबा दीपक नाथ महाराज की 41 दिनों की जलधारा तपस्या के पूर्ण होने एवं तपस्वी बाबा आत्मादास की चतुर्थ बरसी के उपलक्ष्य में नव कुंडी सप्त चंडी यज्ञ, पूर्ण आहुति एवं विशाल भंडारे का आयोजन 6 जनवरी को किया जाएगा। तपस्वी दीपक नाथ महंत ने बताया कि आयोजन स्थल डेरा बाबा समक शाह ऋषि धाम, गांव खुबडू, नयाबास, समसपुर गामडा, भावर, बिलंदपुर रहेगा। भव्य धार्मिक कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पद्मश्री कृष्णा मडेगा द्वारा की जाएगी। विशिष्ट एवं अति विशिष्ट अतिथियों में मोहन लाल बडौली, मंत्री डॉ. अरविन्द कुमार शर्मा, विधायक देवेंद्र कादियान व अन्य को न्योता दिया है।

गन्नौर। तपस्वी बाबा दीपक नाथ महाराज मुख्यमंत्री नायब सैनी को यज्ञ का निमंत्रण देते हुए।

सोनीपत। गीता विद्या मंदिर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उपस्थित समाजसेवी। फोटो : हरिभूमि

### सशक्त राष्ट्र और विश्व कल्याण की भावना के साथ गीता विद्या मंदिर में महायज्ञ आयोजित

**सोनीपत।** नव वर्ष के अवसर पर गीता विद्या मंदिर प्रांगण में शहर की विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से महायज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सशक्त राष्ट्र, समृद्ध समाज और सभी के मंगलमय जीवन की कामना करना रहा। इस अवसर पर लगभग 700 से अधिक लोगों ने यज्ञ में आहुति डालकर विश्व शांति, सामाजिक समरसता और मानव कल्याण की कामना की। महायज्ञ को लेकर आयोजकों और संस्थाओं के सदस्यों द्वारा कई दिनों से तैयारी की जा रही थी। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत और दीप प्रज्वलन से हुई। इसके बाद उपस्थित संतों और महात्माओं ने यज्ञ वेदी पर आहुति डालकर शांति और सद्भाव का संदेश दिया। यज्ञ का संचालन आर्य समाज सोनीपत की ओर से रविंद्र आर्य और संदीप दर्शनाचार्य के मार्गदर्शन में किया गया।

**विडंबना** ऑनलाइन शिकायत के एक माह बाद भी नहीं सुधरी पेयजल लाइन

अधिकारियों की अनदेखी के चलते उन्हें अपनी जेब से खर्च कर समस्या का समाधान करना पड़ा : ग्रामीण

# विभाग से त्रस्त भोगीपुर के ग्रामीणों ने खुद संभाला मोर्चा, पाइप लाइन की करवाई मरम्मत

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

प्रदेश सरकार द्वारा आमजन की समस्याओं के तुरंत समाधान के लिए भले ही ऑनलाइन शिकायत सुविधा लागू की गई है, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका लाभ कितना मिल रहा है, इसका उदाहरण गांव भोगीपुर में देखने को मिला। यहां पेयजल आपूर्ति लाइन में लीकेज की शिकायत किए जाने के एक महीने बाद भी जन स्वास्थ्य विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई, जिससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त है।

शिकायतकर्ता धीरज ने बताया कि गांव भोगपुर में पेयजल सप्लाई लाइन में लंबे समय से लीकेज था, जिसके कारण सड़कों पर पानी बह रहा था और कई घरों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा था। इस समस्या को लेकर जन स्वास्थ्य विभाग, हरियाणा की ऑनलाइन शिकायत सुविधा पर 2 बार शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत दर्ज होने के बाद ग्रामीणों को उम्मीद थी कि विभाग शीघ्र समस्या का समाधान करेगा, लेकिन एक माह बीत जाने के बावजूद न तो कोई कर्मचारी मौके पर पहुंचा और न ही लीकेज को ठीक किया गया। समस्या से परेशान होकर ग्रामीणों ने आपसी सहयोग से खुद ही प्लंबर बुलवाकर जलापूर्ति लाइन की मरम्मत करवाई। ग्रामीणों का कहना है कि यह कार्य विभाग की जिम्मेदारी थी, लेकिन अधिकारियों की अनदेखी के चलते उन्हें अपनी जेब से खर्च कर समस्या का समाधान करना पड़ा।

गन्नौर। ऑनलाइन शिकायत के बावजूद विभाग द्वारा ठीक न करने पर खुद शिकायत करता ठीक करवाते हुए। फोटो : हरिभूमि

### ये बोले ग्रामीण

ग्रामीण राजकुमार, सोमदत्त, अमन, जतिन, आशु तथा शिकायतकर्ता धीरज ने प्रशासन से मांग की है कि सरकार की ऑनलाइन शिकायत व्यवस्था की अनदेखी करने वाले संबंधित विभागीय अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। शिकायतकर्ता धीरज ने बताया कि ऑनलाइन शिकायत दर्ज करते समय उन्हें भरोसा दिलाया गया था कि समस्या का शीघ्र समाधान किया जाएगा, लेकिन विभाग की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। उन्होंने चेताया कि यदि भविष्य में इस प्रकार की अनदेखी दोहराई गई तो वे मजबूरन उच्च अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के समक्ष मामला उठाएंगे। गांववासियों ने प्रशासन से मांग की है कि शिकायतों का तय समय में समाधान करवाया जाए। ताकि आम जनता को राहत मिल सके। इस बारे में संबंधित विभाग के अधिकारियों से संपर्क करना चाहा तो संपर्क नहीं हो पाया

सोनीपत। योग करते हुए साधक। फोटो : हरिभूमि

### स्वस्थ रहने के लिए अपनाएं योग : लक्ष्मीनारायण

**सोनीपत।** भारत स्वाभिमान ट्रस्ट, सोनीपत के जिला प्रभारी सूर्यनमस्कार के वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर इंजीनियर लक्ष्मीनारायण ने मुरथल अड्डा स्थित कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में चल रहे योग शिविर के समापन के अवसर पर स्वयंसेविकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ रहने के लिए दैनिक जीवन में योग को परंपरा बना लें। उन्होंने कहा कि दुनिया में ऐसी कोई दवा नही बनी,जिसे खाकर यह दावा किया जा सके कि जीवन भर बीमार नही पड़ेंगे। दैनिक जीवन में योग एवं प्राणायाम को अपनाकर आप निश्चित तौर पर स्वस्थ रह सकते हैं। वे रविवार को मिशन फिट सोनीपत कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के विद्यालयों में शिक्षा विभाग के द्वारा संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत चल रहे। निशुल्क योग शिविरों की श्रृंखला में आज पीएम श्री कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में अपनी टीम के साथ पधारे थे। उन्होंने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकता है, इसलिए आज समाज व देश को योग और आयुर्वेद के रास्ते पर चलने की जरूरत है।

## खबर संक्षेप

### जरूरतमंदों को कपड़े और घरेलू सामान वितरित किया

**सोनीपत।** सेफ इंडिया फाउंडेशन की ओर से रविवार को खाटूश्याम मंदिर परिसर में आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को पुराने, उपयोग योग्य कपड़े एवं घरेलू सामान वितरित किया। संस्था के चेयरमैन वाईके त्यागी, प्रधान संजय सिंगला ने बताया कि सेफ इंडिया फाउंडेशन कई वर्ष से समाजसेवियों व लोगों के सहयोग से ऐसे कपड़े व घरेलू उपयोग की वस्तुएं एकत्र करती आ रही है, जो भले ही उनके लिए अनुपयोगी हों, लेकिन जरूरतमंदों के लिए बेहद उपयोगी साबित होती हैं। संस्था की ओर से इन वस्तुओं को झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों में जाकर गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाया जाता है। इस दौरान सतीश ठेकेदार, संजय वर्मा, बलराज वशिष्ठ, अनुज मंगला, अनिल गुप्ता, विवेक गर्ग, प्रवीण गोयल, मनीष बंसल, बबीता जिंदल, अधिवक्ता अरविंद मित्तल, हरि कौशिक, अनिपाल लाकड़ा, विकास पासवान, अविनाश सेठी मौजूद रहे। सेफ इंडिया फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने लोगों का आह्वान किया कि वह अपने पुराने, लेकिन उपयोग योग्य कपड़े व घरेलू सामान संस्था को उपलब्ध करा सकते हैं, किसी की सहायता की जा सके।

### अधिकतम में आई 4 डिग्री की गिरावट, न्यूनतम तापमान भी 2 डिग्री कम हुआ

# कड़ाके की ठंड ने बढ़ाई कंपकंपी

- दिनभर नहीं हुए सूर्यदेव के दर्शन, जनजीवन प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

सोनीपत जिले में मौसम का मिजाज पूरी तरह से सर्द हो रहा है। पिछले कुछ दिनों से मौसम में आ रहे लगातार बदलाव के बीच रविवार को जिले के निवासियों को कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ा। पूरे दिन आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रही और सूर्य देव के दर्शन नहीं होने के कारण वातावरण में कनकनी काफी बढ़ गई। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार रविवार को सोनीपत के सरगथल केंद्र में न्यूनतम तापमान 5.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं अधिकतम तापमान में भी गिरावट देखी गई और यह 13.4 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। तापमान में आई इस गिरावट ने ठिठुरन को काफी बढ़ा दिया है। अगर पिछले दिन की तुलना की जाए तो शनिवार को न्यूनतम तापमान 7.5 डिग्री और अधिकतम तापमान 17.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। इस प्रकार न्यूनतम तापमान में करीब 2.2 डिग्री और अधिकतम तापमान में 4.1 डिग्री की कमी आई है। तापमान गिरने के साथ ही शीतलहर जैसी स्थिति बनने लगी है जिससे आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है।

**सोनीपत।** सोनीपत में दिन के समय जीटी रोड का दृश्य। फोटो : हरिभूमि

### गेहूं की फसल को फायदा

कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि तापमान में आई यह गिरावट और बादलों का छाना फसलों के लिए अलग-अलग प्रभाव डाल सकता है। गेहूं की फसल के लिए गिरता हुआ तापमान और ठंड काफी फायदेमंद मानी जाती है क्योंकि इससे फसल के फुटाव में मदद मिलती है। हालांकि अगर बादल अधिक समय तक छाए रहते हैं और धूप नहीं निकलती है तो इससे कुछ अन्य फसलों पर कीटों का प्रभाव बढ़ने की आशंका भी बनी रहती है। किसानों को सलाह दी गई है कि वे मौसम के बदलते रुख को देखते हुए अपनी फसलों की निगरानी करते रहें।

### बादल छंटने पर पड़ सकता है पाला

कृषि विज्ञान केंद्र जगदीशपुर के वैज्ञानिक डॉ. प्रेमदीप के अनुसार आने वाले दिनों में ठंड का यह दौर जारी रह सकता है। उत्तरी दिशा से आने वाली हवाएं मैदानी इलाकों में ठंड को और बढ़ा सकती हैं। यदि बादल छंटते हैं तो न्यूनतम तापमान में और अधिक गिरावट आ सकती है जिससे पाला पड़ने की स्थिति भी बन सकती है।

### लोगों की यात्राएं हो रही प्रभावित

## मालवा साढ़े 5 घंटे व गीता जयंती एक्सप्रेस साढ़े 3 घंटे रही लेट

- आम्रपाली, दादर, बठिंडा, अमृतसर इंटरसिटी एक्सप्रेस, नई दिल्ली जन शताब्दी एक्सप्रेस का भी 3 घंटे तक देरी से हुआ परिचालन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

दिल्ली-अंबाला रूट पर ठंड और पंजाब व गाजियाबाद में इंटरलॉकिंग कार्यों के चलते रविवार को भी ट्रेनों परिचालन धीमा रहा। दर्जनभर एक्सप्रेस ट्रेनें अपने निर्धारित समय के बजाय साढ़े 5 घंटे तक की देरी से सोनीपत पहुंची। लंबी दूरी की एक्सप्रेस, सुपरफास्ट ट्रेनों के देरी से आने के कारण गाड़ियों का परिचालन भी प्रभावित हो रहा है। यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। फिरोजपुर मंडल के अमृतसर, दिल्ली मंडल के गाजियाबाद यार्ड में इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग कार्य को लेकर अप-डाउन लाइन की एक्सप्रेस ट्रेनें रविवार को साढ़े 5 घंटे तक देरी से पहुंची। यात्री नरेश, ओमप्रकाश, नितिन, दीपक ने बताया कि ठंड में एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन प्रभावित हो रहा है।

### अपलाइन की प्रभावित ट्रेनें

दिल्ली-अंबाला रूट पर चलने वाली मालवा एक्सप्रेस 5:32 घंटे, गीता जयंती एक्सप्रेस 3:24 घंटे, आम्रपाली एक्सप्रेस 3 घंटे, दादर एक्सप्रेस 1 घंटा, बठिंडा एक्सप्रेस 1:13 घंटे, अमृतसर इंटरसिटी एक्सप्रेस 1:39 घंटे, 64453 सवारी गाड़ी 2:11 घंटे, 64531 सवारी गाड़ी 1:38 घंटे, 64451 सवारी गाड़ी 1:14 घंटे की देरी से सोनीपत पहुंची।

### डाउन लाइन की प्रभावित ट्रेनें

अंबाला-दिल्ली रूट पर चलने वाली नई दिल्ली जन शताब्दी एक्सप्रेस 2 घंटे, दादर एक्सप्रेस 2:25 घंटे की देरी से सोनीपत पहुंची।
फिरोजपुर मंडल के अमृतसर, दिल्ली मंडल के गाजियाबाद यार्ड में इंटरलॉकिंग संबंधित कार्य किए जा रहे हैं। इसके चलते अप-डाउन रूट पर एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन प्रभावित हुआ है। ट्रेनों के परिचालन की समय सारणी में सुधार किया जा रहा है।

*-हिमांशु शेखर उपाध्याय, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, उत्तर रेलवे*

### भाजपा नेता पुनीत राई ने विधायक कृष्णा गहलावत और मेयर राजीव जैन को पुष्प गुच्छ किए भेंट

## राई गांव में करोड़ों की योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास

**राई।** विधायक कृष्णा गहलावत निर्माण कार्यों का शिलान्यास करते हुए, साथ में मेयर राजीव जैन, निगम पार्षद पुनीत राई । फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ राई

राई गांव में रविवार को विधायक कृष्णा गहलावत ने नगर निगम के मेयर राजीव जैन के साथ मिलकर लाखों रुपये की लागत से पूर्ण हुए निर्माण कार्यों का उद्घाटन तथा लाखों रुपये की लागत से शुरू होने वाले विकास कार्यों का शिलान्यास किया। कार्यक्रम में पहुंचने पर नगर निगम पार्षद एवं युवा भाजपा नेता पुनीत राई ने विधायक कृष्णा गहलावत और मेयर राजीव जैन का पुष्प गुच्छ भेंट कर एवं पगड़ी पहनाकर भव्य स्वागत किया। विधायक कृष्णा गहलावत और मेयर राजीव जैन ने पार्षद पुनीत राई के सहयोग से 34 लाख रुपये की लागत से बने छठ पूजा घाट तथा 27 लाख रुपये की लागत से कम्युनिटी सेंटर में डलवाए गए शेड के निर्माण कार्य का उद्घाटन किया।

### मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

इन परियोजनाओं से ग्रामीणों को सामाजिक व धार्मिक आयोजनों के लिए बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। इसके अलावा राई गांव में 97 लाख रुपये की लागत से बनने वाले खेल स्टेडियम, 25 लाख रुपये की लागत से बनने वाले गांव के एंट्री गेट साइन बोर्ड, 27 लाख रुपये की लागत से बनने वाली महिला चौपाल, 30 लाख रुपये की लागत से बनने वाले पार्क, तथा 18 लाख रुपये की लागत से बनने वाली गलियों के निर्माण कार्यों का शिलान्यास भी किया गया। इस अवसर पर जयभगवान कौशिक, सिंघराम कौशिक, राजेन्द्र कौशिक, राजकुमार कौशिक, जयकुमार कौशिक, चंद्रपाल त्यागी, महावीर त्यागी, ईश्वर कौशिक, राजेश कौशिक, छोटे लाल ,गोलू राजपूत, रामकुमार वाल्मीकि ,नरेश पांचाल ,राकेश कौशिक आदि गणमान्य लोग मौजूद थे।

### मार्केट न्यूज

## शिवा शिक्षा सदन में पीपी-1 प्रवेश प्रक्रिया शुरू, अभिभावकों ने कराया आवेदन

**सोनीपत।** शिवा शिक्षा सदन में पीपी-1 कक्षा के लिए प्रवेश आवेदन प्रक्रिया शुरू की गई, जिसमें अभिभावकों ने निर्धारित समय पर पहुंचकर आवेदन जमा कराए। विद्यालय में प्रवेश केवल पीपी-1 कक्षा में ही दिया जाता है और सीमित सीटों के कारण अन्य कक्षाओं में प्रवेश नहीं किया जाता। पहले दिन बड़ी संख्या में अभिभावक आवेदन करने पहुंचे और अपने बच्चों के लिए प्रवेश प्रक्रिया में शामिल हुए। ठंड के मौसम के बावजूद अभिभावक समय से पहले विद्यालय परिसर में पहुंच गए। आवेदन प्रक्रिया सुबह 9 बजे से शुरू हुई। पहले दिन 200 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। विद्यालय के अनुसार, शुरुआती कक्षाओं में खेल, गतिविधि आधारित शिक्षण और बुनियादी कौशल विकास पर काम किया जाता है। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक अरुण बंसल ने कहा कि प्रवेश प्रक्रिया अभिभावकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों में कराई जा रही है। अभिभावकों के आग्रह पर आवेदन प्रक्रिया को एक दिन और बढ़ाया गया है। आवेदन जमा करने के बाद अभिभावकों को काउंसलिंग सत्र के माध्यम से प्रक्रिया से अवगत कराया गया।

**सोनीपत।** कार्यक्रम में पहुंचे भाजपा प्रदेशाध्यक्ष साथ में विधायक एवं अन्य।

## भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने ज्वाइन करवाई पार्टी

**सोनीपत।** भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने रविवार को वार्ड नंबर 1, प्रजापति धर्मशाला जटवाड़ा सोनीपत में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस छोड़कर आए लोगों को भाजपा में शामिल किया। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी का पटका पहनाकर उनका स्वागत किया और पार्टी में पूरा मान और सम्मान देने की बात कही। वहीं भाजपा में शामिल हुए सभी लोगों ने श्री बड़ौली को आश्वासन देते हुए कहा कि वे सभी मिलकर राष्ट्र निर्माण में अपनी अहम भूमिका निभाएंगे तथा पार्टी को और अधिक मजबूत करने का काम करेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है और कार्यकर्ता ही संगठन की ताकत है। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकर्ता संगठन और जनता के बीच एक मजबूत पुल का काम करते हैं। भाजपा के कार्यकर्ता लोगों के सुख-दुख में उनके साथ खड़े रहते हैं जो सेवा और समर्पण का प्रतीक है। इस मौके पर विधायक पवन खरखौदा, जिला महामंत्री तरूण देवीदास, प्रदेश प्रवक्ता राज कुमार कटारिया, जिला मीडिया प्रभारी दिनेश अत्री, आरती शर्मा, महेश कुमार, ललित बत्रा, हरि प्रकाश सैनी सहित पार्टी पदाधिकारी और सैकड़ों गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

## कांग्रेसी पार्षदों को किया जा रहा है टारगेट : दिवान

### कांग्रेस के सांसद का नाम नहीं होने पर भाजपा को आपत्ति : मोनिका नागर

- कांग्रेस भवन में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान सत्ता पक्ष पर लगाए आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

नगर निगम में पार्षदों के अधिकारों और विकास कार्यों के शिलापट्ट (पत्थर) को लेकर राजनीति गर्मा गई है। कांग्रेस भवन में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान शहरी जिला अध्यक्ष कमल दिवान और पार्षद मोनिका नागर ने सत्ता पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस समर्थित पार्षदों को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। पार्षद मोनिका नागर ने बताया कि गांव लहराड़ा में पार्क और कब्रिस्तान के सुंदरीकरण का कार्य पूरा होने के बाद उद्घाटन के लिए शिलापट्ट तैयार करवाया गया था। इस पत्थर पर प्रोटोकाल के तहत सांसद, मेयर और विधायक के नाम लिखे गए थे। आरोप है कि जैसे ही मेयर को पता चला कि पत्थर पर कांग्रेस सांसद का नाम है, उन्होंने उद्घाटन करने से मना कर दिया। मोनिका नागर ने दावा किया कि उन्हें फोन पर सांसद का नाम हटाने को कहा गया और जब उन्होंने मना किया, तो सत्ता पक्ष ने पहले पत्थर को तुड़वाया गया और अब उद्घाटन करने के बाद तीन जनवरी को वह पत्थर ही चोरी कर लिया गया।

**सोनीपत।** पत्रकारवार्ता के दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष कमल दिवान साथ में पार्षद एवं अन्य। फोटो : हरिभूमि

### पार्षदों को डराने की कोशिश

उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष के सांसदों का नाम तो हर पत्थर पर शान से लिखा जाता है, लेकिन अब जब जनता ने कांग्रेस का सांसद चुना है, तो उनके नाम से भाजपा को आपत्ति है। शहरी जिला अध्यक्ष कमल दिवान ने स्पष्ट किया कि सत्ता पक्ष पार्षदों को डराने की कोशिश कर रहा है, लेकिन कांग्रेस का हर कार्यकर्ता और पार्षद एकजुट होकर इस भेदभाव के खिलाफ लड़ेगा। विकास कार्यों के उद्घाटन पत्थर को चोरी करना या तुड़वाना न केवल एक पार्षद का अपमान है, बल्कि यह क्षेत्र की जनता और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर भी प्रहार है। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि इस प्रकार की ओछी राजनीति बंद नहीं हुई, तो वे सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

## युवा खेल महोत्सव का समापन प्रतिभा का किया शानदार प्रदर्शन

**सोनीपत।** सोनीपत के हिंदू कॉलेज ऑफ फार्मेसी में आयोजित युवा खेल महोत्सव में मौजूद कांग्रेस के शहरी जिला अध्यक्ष कमल दीवान, आर्यवीर दल के सदस्य।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

आर्यवीर दल, सोनीपत की ओर से रविवार को हिंदू कॉलेज ऑफ फार्मेसी में आयोजित दो दिवसीय युवा खेल महोत्सव का समापन किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस के शहरी जिला अध्यक्ष कमल दीवान ने शिरकत कर युवाओं को प्रोत्साहित किया। अध्यक्ष कमल दीवान ने बताया कि युवा अपनी प्रतिभाओं को खेल के माध्यम से विकसित कर सकते हैं। उन्होंने युवाओं को सामाजिक बुराइयों से बचने के लिए इस प्रकार के कार्यों से जुड़े रहने की प्रेरणी दी। जिला संचालक भगत सिंह ने संगठन के कार्यों के विषय में जानकारी साझा की। महोत्सव के दौरान विविध प्रतियोगिताओं को आयोजन किया गया। इनमें करीब 200 युवाओं ने अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित किया। जिला संचालिका पूनम भूटानी, उप संचालक रविंद्र आर्य, सचिव दीपक ने सभी का उत्साहवर्धन किया। शांति पाठ एवं प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

### यह रहा परिणाम

कार्यक्रम के अंतर्गत 1600 मीटर दौड़ में सेक्टर 14 शाखा की टीम विजेता रही। कबड्डी प्रतियोगिता में काठ मंडी शाखा की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं खोखो खेल में सेक्टर 12 शाखा की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। लड़कियों की तीन टांग दौड़ में दून स्कूल शाखा की टीम विजेता रही। वहीं लड़कों की तीन टांग दौड़ प्रतियोगिता में विवेकानंद शाखा टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। रस्सा कसी प्रतियोगिता में सेक्टर 14 शाखा की टीम विजेता रही। रिले दौड़ प्रतियोगिता में दिल्ली विद्यापीठ शाखा की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

## बाबा सुशील नाथ की 551 मटकों की जलधारा तपस्या पूरी, लगाया भंडारा

- आपसी भाईचारे, सेवा-भाव और नैतिक मूल्यों को मजबूत करेंगे, तो गांव ,समाज समृद्ध होंगे : देवेंद्र कादियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

भोगीपुर गांव के गुरु गोरखनाथ मंदिर में चल रही बाबा सुशील नाथ की 41 दिन की 551 मटकों की जलधारा तपस्या पूरी होने पर हवन यज्ञ में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया । हवन यज्ञ में तपस्वी बाबा सुशील नाथ के गुरु महंत चमन नाथ रभड़ा, बाबा भोलीनाथ, बाबा महंत सत्यनाथ के अलावा गांव के काफी संख्या में मौजूद लोग ने आहुति डालकर क्षेत्र की सुख शांति की कामना की । विधायक देवेंद्र कादियान ने भी मंदिर में पहुंचकर तपस्वी बाबा सुशील नाथ से आशीर्वाद लिया। इसके बाद विशाल भंडारे में आसपास के गांव सहित काफी संख्या में मौजूद महिलाओं व पुरुषों ने प्रसाद ग्रहण किया । बाबा ने कहा कि आज का समाज भौतिक सुखों की दौड़ में प्रकृति और नैतिक मूल्यों से दूर होता जा रहा है। विधायक देवेंद्र कादियान ने कहा कि बाबा की तपस्या के संदेश को अपने जीवन में अपनाएं। जलधारा की यह तपस्या हमें याद दिलाती है कि जल ही जीवन है और इसका संरक्षण हम सबकी जिम्मेदारी है। कादियान ने कहा कि ग यदि हम आपसी भाईचारे, सेवा-भाव और नैतिक मूल्यों को मजबूत करेंगे, तो गांव और समाज दोनों समृद्ध होंगे। बाबा की तपस्या से प्रेरणा लेकर हमें नशा, हिंसा और वैमनस्य जैसी बुराइयों से दूर रहकर स्वच्छ, संस्कारित और सशक्त समाज का निर्माण करना चाहिए।

गन्नौर। तपस्वी बाबा सुशील नाथ सेआशीर्वाद लेते विधायक देवेंद्र कादियान साथ में ग्रामीण।

### 5वें शिविर में 246 लोगों ने कराई स्वास्थ्य जांच

**सोनीपत।** सेफ इंडिया फाउंडेशन, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन (जिला, महिला एवं युवा इकाई), श्रीश्याम बालाजी सेवा मंडल, रोटरी क्लब ऑफ सोनीपत एक्सीलेंस, श्री खाटू श्याम मंदिर ट्रस्ट एवं सोनीपत धाम के संयुक्त तत्वावधान में खाटू श्याम मंदिर सोनीपत धाम, मोहन नगर में 35वां स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर में 246 लोगों ने स्वास्थ्य जांच करवाई, जबकि 6 लोगों ने रक्तदान किया। फाउंडेशन के प्रधान संजय सिंगला व चेयरमैन वाईके त्यागी ने बताया कि संस्था की ओर से हर माह स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया जाता है। युवा प्रधान सीए अनुज मंगला ने बताया कि जिला आयुष विभाग की टीम से डॉ. राम अवतार सिंह, डीएमओ, डॉ. अल्पना, एएमओ, मीनाक्षी एवं पिंकी योग सहायक ने 98 मरीजों की जांच की।

गोहाना। खिलाड़ियों का चयन करते हुए डब्ल्यूएफआई के प्रतिनिधि।

### प्रो कुश्ती लीग की नीलामी ने तोड़े रिकॉर्ड : देवेन्द्र

**गोहाना।** भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) की प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) के पांचवें सीजन की नीलामी ऐतिहासिक रिकॉर्ड्स के साथ संपन्न हुई। नीलामी के दौरान व्यक्तिगत बोलियों ने अब तक के सभी आंकड़े तोड़ दिए। नीलामी में छह फ्रेंचाइजियों ने खिलाड़ियों को अपने दल में शामिल करने के लिए करोड़ों रुपये की राशि खर्च की। डब्ल्यूएफआई प्रोटोकॉल समिति के चेयरमैन देवेन्द्र शर्मा के अनुसार दिल्ली में सम्पन्न हुई प्रो कुश्ती लीग की नीलामी में फ्रेंचाइजियों का फोकस हरियाणा के पहलवानों पर भी विषय रहा। फ्रेंचाइजियों द्वारा अपने दलों में शामिल किए गए कुल खिलाड़ियों में करीब पचास प्रतिशत हरियाणा के हैं। नीलामी में दिल्ली दंगल वॉरियर्स ने अंडर-23 विश्व चैंपियन (65 किग्रा) सुजीत कलकल को साइन कर 52 लाख रुपये में खरीदा। पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत को मुंबई फ्रेंचाइज ने 51 लाख रुपये में अपने दल में शामिल किया। चयन कमेटी में डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष संजय सिंह, प्राटोकोल कमेटी के चेयरमैन देवेंद्र शर्मा, सचिव पहलवान जय प्रकाश और कोषाध्यक्ष सतपाल देशवाल सहित संघ के अन्य प्रतिनिधि शामिल रहे। चेयरमैन देवेन्द्र शर्मा ने कहा कि दुनिया के कुछ सर्वश्रेष्ठ और लोकप्रिय पहलवानों को पीडब्ल्यूएल 2026 के लिए चुना गया है। प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों की नीलामी में हरियाणा थंडर्स, महाराष्ट्र केसरी, मुंबई दंगल, पंजाब रॉयल्स, दिल्ली दंगल वॉरियर्स और यूपी डोमीनेटर्स शामिल रहीं।

### निर्माण

### माघ कृष्ण चतुर्थी पर व्रत, पूजा मुहूर्त, भद्रा काल और शुभ योगों के साथ धार्मिक आस्था का पर्व

# सकट चौथ विशेष : गणपति बप्पा की पूजा व चंद्रदर्शन का विशेष महत्व

हरिभूमि न्यूज ⏭ राई

सकट चौथ का पर्व गणपति बप्पा को समर्पित माना जाता है और इसे संतान की सुरक्षा, परिवार की खुशहाली तथा सुख-शांति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण व्रत के रूप में जाना जाता है। इस दिन भगवान गणेश की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है और तिलकुट सहित विभिन्न प्रसाद का भोग लगाया जाता है। इसी कारण इसे तिल चौथ, तिलकुट चतुर्थी और माघ संकष्टी चतुर्थी के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि इस दिन की गई आराधना और व्रत से संकटों का निवारण होता है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

### 46 मिनट की भद्रा

धार्मिक मान्यता है कि सकट चौथ पर श्रद्धा और भक्ति से किए गए विशेष उपाय जीवन से आर्थिक और मानसिक संकटों को दूर करने में सहायक होते हैं। आर्थिक तंगी से राहत पाने के लिए पूजा के समय गणपति बप्पा को घी और गुड़ का भोग लगाने की परंपरा बताई गई है, जिसे बाद में प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है। इसी प्रकार गणपति बप्पा को दूर्वा अर्पित की जाती है और परिवार की सुख-शांति तथा समृद्धि के लिए प्रार्थना की जाती है। डॉ. मनमोहन मिश्रा के अनुसार, वर्ष 2026 में माघ कृष्ण चतुर्थी तिथि 6 जनवरी मंगलवार को सुबह 8:01 बजे से शुरू होकर 7 जनवरी बुधवार सुबह 6:52 बजे तक रहेगी। धार्मिक परंपराओं के अनुसार सामान्यतः व्रत उदया तिथि के आधार पर रखा जाता है, लेकिन सकट चौथ में चंद्रमा की पूजा का विशेष महत्व होता है। इस वर्ष 6 जनवरी को चंद्रोदय चतुर्थी तिथि में हो रहा है, जबकि 7 जनवरी को चंद्रोदय पंचमी तिथि में पड़ेगा। इसी कारण पंचांगों और पारंपरिक मान्यताओं के आधार पर सकट चौथ का व्रत 6 जनवरी 2026 मंगलवार को ही रखा जाएगा।

### *बन रहे तीन शुभ योग*

*इस वर्ष सकट चौथ के दिन तीन शुभ योग बन रहे हैं, जो इस व्रत के महत्व को और बढ़ाते हैं। सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 7:15 बजे से दोपहर 12:17 बजे तक रहेगा, जबकि प्रीति योग सुबह से रात 8:21 बजे तक रहेगा। इसके बाद आयुष्मान योग का आरंभ होगा। इस दिन अश्लेषा नक्षत्र सुबह से दोपहर 12:17 बजे तक रहेगा, जिसके बाद मघा नक्षत्र प्रारंभ होगा। ज्योतिषीय दृष्टि से ये योग भक्तों के लिए अत्यंत शुभ माने जाते हैं और माना जाता है कि इन अवधि में की गई पूजा-अर्चना का फल अधिक मिलता है।*

### 46 मिनट की भद्रा

सकट चौथ के दिन लगभग 46 मिनट की भद्रा भी लग रही है। भद्रा का समय सुबह 7:15 बजे से 8:01 बजे तक रहेगा और इसका वास धरती पर माना गया है। मान्यता के अनुसार भद्रा काल में कोई भी शुभ कार्य, धार्मिक अनुष्ठान या पूजा प्रारंभ नहीं की जानी चाहिए। इसलिए सकट चौथ की पूजा भद्रा समाप्त होने के बाद ही करने की सलाह दी गई है, ताकि विधि-विधान और शुभ मुहूर्त के अनुसार व्रत सम्पन्न हो सके।

### ये रहेगा पूजा के लिए सर्वश्रेष्ठ समय

डॉ. मनमोहन मिश्रा ने बताया कि भगवान गणेश की पूजा के लिए सर्वश्रेष्ठ समय सुबह 9:51 बजे से दोपहर 1:45 बजे तक रहेगा। इसके अतिरिक्त ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5:26 से 6:21 बजे तक और अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12:06 से 12:48 बजे तक रहेगा। राहुकाल दोपहर 3:03 से 4:21 बजे तक रहेगा, जिसमें पूजा या किसी भी शुभ कार्य को करने से बचने की सलाह दी जाती है। सकट चौथ के दिन चंद्रोदय रात 8:54 बजे होगा, जिस समय महिलाएं और व्रतधारी भक्त चंद्रमा को जल, कच्चा दूध, फूल और अक्षत मिलाकर अर्घ्य अर्पित करेंगे। इसके बाद ही व्रत पूर्ण माना जाएगा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 8295154800, 9253681010, 9253681005